महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 245 | उज्जैन, शनिवार 14 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

गुणों के बल पर ही व्यक्ति सफल हो सकता है, लेकिन विनम्रता और विवेक साथ हो तो वह शिखर पर पहुंच सकता है!

भारत भवन सिर्फ एक भवन नहीं, जीवन की रचना है, अतीत हो रहा है पुनः जीवंत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

कला जोड़ती है, दूरियाँ मिटाती है, भारत भवन है कला और कलाकारों की पितृ संस्था

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत भवन सिर्फ एक भवन या मंच नहीं, यह जीवन की रचना है। इसका सुनहरा अतीत फिर से जीवंत हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कला समाज को हर तरह से जोड़ने का काम करती है। कला सामाजिक समरसता का सर्वकालिक और बड़ा माध्यम है। कला से दूरियाँ मिटती है, मन का बोझ हल्का होता है और समाज में आपसी सौहार्द भी बढ़ता है। कला के जरिए एक संवेदनशील और सकारात्मक समाज का निर्माण संभव है। भारत भवन कला, सृजन, साधना और संवाद का जीवंत केंद्र है। यह बरसों से कला, कलाकारों और रचनाधर्मियों की पितृ संस्था की तरह काम कर रहा है। इस प्रतिष्ठित बहुआयामी कला एवं संस्कृति केंद्र ने आज अपनी स्थापना के 44 साल पूरे कर लिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 44 साल तो तरूणाई है, भारत भवन की ख्याति अगले 440 साल तक भी ऐसी ही बनी रहे, हमारी यही कामना है। भारत भवन में हुए गरिमामय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर 10 दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ किया।

समारोह 22 फरवरी तक चलेगा। इसमें देश-प्रदेश के लब्ध प्रतिष्ठित कलाकार, साहित्यकार एवं सांस्कृतिक साधक सहभागिता कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थापना दिवस समारोह के लिए विशेष रूप से भोपाल आए पद्म विभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया एवं भारत भवन की न्यासी सदस्या पद्मश्री श्रीमती भूरीबाई का शॉल एवं श्रीफल देकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. हरिप्रसाद चौरसिया के हाथों में आते ही काष्ठ की बांसुरी में भी प्राण आ जाते हैं।

निर्जीव वस्तु भी सजीव हो जाती है। यही कला है, यही साधना है। इस अवसर पर भारत भवन के न्यासी सदस्य एवं वरिष्ठ रंगकर्मी श्री राजीव वर्मा, विधायक श्री उमाकांत शर्मा सहित बड़ी संख्या में कलाकार और कला प्रेमी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कला साधकों को संबोधित करते हुए कहा कि कला और संस्कृति के संरक्षण में भारत भवन की भूमिका हमेशा ही सराहनीय रही है। बीते 44 सालों में भारत भवन ने जिस निरंतरता और प्रतिबद्धता के साथ कलाकारों को मंच दिया है, वह इसे देश के विशिष्ट सांस्कृतिक संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत भवन ने स्थापित कलाकारों को सम्मान देते हुए नई और उभरती कला प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराया है। भारत भवन की गतिविधियों ने लोक परम्पराओं को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर भारतीय संस्कृति की जड़ों को और भी मजबूत किया है।

मुक्त और शिष्ट सांस्कृतिक प्रवाह का केंद्र मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत भवन सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों के मुक्त और शिष्ट प्रवाह का पर्याय बन चुका है। भारत भवन में होने वाले कार्यक्रमों में विचारों की स्वतंत्रता, रचनात्मक प्रयोग और सौंदर्य बोध का संतुलित समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सुर-ताल, लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत, नाट्य मंचन तथा विभिन्न ललित एवं रूपंकर कलाओं के प्रदर्शन के लिए भारत भवन जैसा सुंदर, सुव्यवस्थित और सर्वसुविधायुक्त मंच विरले ही उपलब्ध होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत भवन ने भोपाल को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक पटल पर विशिष्ट स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत भवन के कार्यक्रमों ने देश-विदेश में मध्यप्रदेश की कला-संस्कृति सहित विरासतों के संरक्षण की कोशिशों को नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत भवन के 44वें स्थापना दिवस पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए आशा जताई कि भारत भवन अपनी शानदार प्रस्तुतियों, रचनात्मक प्रयोगों और सांस्कृतिक उपलब्धियों से भविष्य में भी देश-दुनिया में अपनी प्रतिष्ठा को और अधिक समृद्ध करेगा।

न्यूज ब्रीफ

महंगाई नापने का बदल गया तरीका, अब खर्च में जुड़ेगी ऑनलाइन शॉपिंग और OTT सब्सक्रिप्शन

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के माध्यम से महंगाई मापने की प्रक्रिया में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने सीपीआई का आधार वर्ष 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है। इस बदलाव का उद्देश्य वर्तमान उपभोग पैटर्न को अधिक सटीक रूप से प्रतिबिंबित करना है। सांख्यिकी मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग ने बताया कि पीआई का आधार वर्ष जितना पुराना होता जाता है, उतना ही वह वास्तविक उपभोग पैटर्न से दूर हो जाता है। पिछले 10 साल में लोगों के खर्च करने का तरीका बदला है। नए सीपीआई में आधुनिक जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए कई नई वस्तुएं और सेवाएं जोड़ी गई हैं। इनमें घर का किराया, ऑनलाइन मीडिया और ओटीटी/स्ट्रीमिंग सेवाएं, सीएनजी व पीएनजी जैसे ईंधन, पेन ड्राइव व हार्ड डिस्क, बेबीसिटर व अटेंडेंट सेवाएं तथा एक्सरसाइज उपकरण शामिल हैं। वहीं, पुरानी हो चुकी चीजों जैसे वीसीआर, वीसीडी व डीवीडी प्लेयर, रेडियो और टेप रिकॉर्डर को हटा दिया गया है। उपभोक्ता बास्केट का दायरा बढ़ाकर 299 से 358 वस्तुओं तक पहुंचाया गया है। नई गणना के अनुसार, जनवरी में खुदरा महंगाई दर 2.75% रही, जबकि जनवरी 2025 में यह 4.26% थी। पहले सीपीआई में 6 श्रेणियां थीं, जो अब बढ़कर 12 हो गई हैं। खाने-पीने की चीजों का वेटेज 45.86% से घटकर 36.75% हो गया है। अन्य श्रेणियां जैसे आवास (10.07% से 17.67%), ईंधन और रोशनी (6.84% से 8.80%), परिवहन (6.10% से 3.61%), सूचना और संचार (1.52त्न से 3.33%), मनोरंजन व खेल (3.35%), शिक्षा सेवाएं (5.04%), रेस्तरां व होटल सेवाएं तथा व्यक्तिगत देखभाल शामिल हैं। 2012 में 1181 ग्रामीण बाजार, 1114 शहरी बाजार और 310 शहरों के आंकड़े लिए जाते थे। अब यह 1465 ग्रामीण बाजार, 1395 शहरी बाजार और 434 शहरों तक विस्तारित हो गया है। पहली बार 12 ऑनलाइन मार्केट की कीमतों को शामिल किया गया

सुलतानपुर में लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर ट्रक में घुसी अनियंत्रित कार, दो की मौत

लम्भुआ / जीएनएस। लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार सुबह मदनपुर के पास हुए सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब तेज रफ्तार से चल रही कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही अज्ञात ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। शाहजहांपुर में एक कार्यक्रम में शामिल होकर वाराणसी जा रहे बलिया के रसड़ा के अमहर दक्षिण पट्टी माधवपुर निवासी बेबी मसीह पत्नी स्व. जगदीश मसीह और उनके पुत्र अर्पित कुमार, संजू पुत्री स्व. जगदीश मसीह व वाराणसी के राजघाट निवासी मौसी निर्मल जैनब कार से जा रहे थे। वाहन अभी मदनपुर गांव के पास पहुंचा था कि आगे चल रही ट्रक को ओवरटेक करने के प्रयास में कार ट्रक में जा घुसी। दुर्घटना में कार पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों को सीएचसी पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने हालत गंभीर मेडिकल कालेज के अस्पताल रेफर कर दिया। जहां चिकित्सक ने बेबी मसीह व अर्पित को मृत घोषित कर दिया ।कोतवाल धीरज कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में है। एफआइआर दर्ज कर ट्रक की तलाश की जा रही है। दोस्तपुर ॰ गुरुवार की रात बिहार के पटना से लखनऊ जा रही प्राइवेट बस पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के ताजुद्दीनपुर के पास ड्राइवर को नींद आने के कारण डिवाइडर तोड़ते हुए नीचे जा गिरी।

उन्होंने मेरे बेटे को मार डाला गौरव गोगोई के पाकिस्तान दौरे से नाराज हैं शहीद कैप्टन जिंटू के माता-पिता

नई दिल्ली/ जीएनएस। कारगिल युद्ध के बलिदानी कैप्टन जिंटू गोगोई के माता-पिता ने शुक्रवार को असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई की पाकिस्तान यात्राओं की खबरों पर नाराजगी व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि जिस देश को शत्रु माना जाता है, उसकी यात्रा उन लोगों के लिए बेहद पीड़ादायक है जिन्होंने भारत की सुरक्षा के लिए अपने बच्चों का बलिदान दिया है।

कारगिल शहीद के माता-पिता गौरव गोगोई के पाकिस्तान दौरे से नाराज- कैप्टन के पिता थोगिरन गोगोई ने कहा, ÷देश के खिलाफ साजिश रचने वाले किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और सभी के संज्ञान में लाया जाना चाहिए।

चाहे वह कोई भी हो, उसे देशद्रोही माना जाना चाहिए। पाकिस्तान को शत्रु देश माना जाता है, और इसे देशद्रोही माना जाना चाहिए और केंद्र सरकार द्वारा इसकी जांच की जानी चाहिए।

वहीं, बलिदानी जिंटू की मां दुलुप्रभा गोगोई ने कहा, गौरव गोगोई को पाकिस्तान नहीं जाना चाहिए था। उनकी पत्नी भी पाकिस्तान में काम करती थीं। उनका पाकिस्तान जाना ठीक नहीं है। असम हमारा है।

उन्हें यहीं रहना चाहिए और काम करना चाहिए, असम के लिए काम करना चाहिए। उनके पिता (तरुण गोगोई) ने अच्छा काम किया। उन्हें भी अपने पिता की तरह ही काम करना चाहिए।

माता ने गौरव गोगोई को असम में रहकर काम करने की सलाह दी- पाकिस्तान ने मेरे बेटे को मार डाला। इसलिए गौरव गोगोई को वहां नहीं जाना चाहिए। यह घटना असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा गौरव गोगोई के कथित पाकिस्तानी संबंधों पर एसआइटी की रिपोर्ट में संशोधन करने और आगे की जांच के लिए केंद्र को भेजे जाने की घोषणा के बाद सामने आई है।

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हेरोइन तस्करी का भंडाफोड़: कठुआ पुलिस ने गिरफ्तार किए दो आरोपी

कठुआ/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर की कठुआ पुलिस ने पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी के एक बड़े इंटर-स्टेट नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ड्रोन से गिराई गई लगभग 150 ग्राम हेरोइन जब्त की और दो आरोपियों, जतिन और दानिश डोगरा को गिरफ्तार किया।

कठुआ पुलिस ने IPS मोहिता शर्मा की देखरेख में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। आरोपियों पर NDPS एक्ट की धारा 8/21/22/29 के तहत स्नढ्डक्र नंबर 71/2026 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बताया जा रहा है कि कठुआ के नागरी के पास जम्मू-कश्मीर और पंजाब बॉर्डर पर ड्रोन से गिराई गई एक घटना के बारे में खास जानकारी मिली थी। इस इनपुट पर तुरंत कार्रवाई करते हुए, एक डिटेल्ड जांच शुरू की गई।

मुख्तार को रोबिनहुड बताता था बॉबी, विवादित जमीनों की खरीद फरोख्त में था शामिल

लखनऊ/ जीएनएस। चार फरवरी 1999 की शाम राजभवन के ठीक सामने गेट पर ऐसी दुस्साहसिक घटना घटी, जिसने यूपी की कानून-व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। हथियारों से लैस बदमाशों ने राजभवन के सामने ही सरकारी जीप से जा रहे जेलर आरके तिवारी की ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या कर दी। बदमाशों ने जिस समय जेलर की हत्या की उस वक्त वह डीएम आवास पर बैठक कर आलमबाग रोड स्थित जिला कारागार वापस जा रहे थे। इस जघन्य हत्याकांड में शोएब उर्फ बॉबी को मुख्तार अंसारी और गोसाईगंज के विधायक अभय सिंह सहित 23 लोगों को आरोपी बनाया गया था। हालांकि, अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में सभी को बरी कर दिया था। हत्याकांड के बाद जरायम की दुनिया में बॉबी का नाम तेजी से उभरा। दरअसल, जिस समय जेलर की हत्या की गई जेल में मुख्तार और अभय सिंह सहित कई चर्चित चेहरे बंद थे।

इलेक्ट्रानिक्स निर्यात बढ़ाने के लिए FTA का फायदा उठाए भारत, 4.6 ट्रिलियन डॉलर का है वैश्विक बाजार

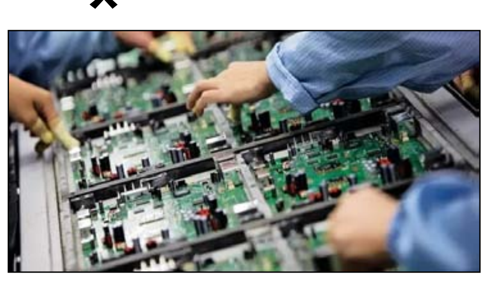

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत को इलेक्ट्रानिक्स निर्यात बढ़ाने के लिए संरचनात्मक लागत संबंधी चुनौतियों का समाधान करना, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का बेहतर ढंग से फायदा उठाना और रणनीतिक कलपुर्जों के घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देना होगा। नीति आयोग की शुक्रवार को जारी ट्रेड वाच क्वार्टरली रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रानिक्स क्षेत्र का दुनियाभर में 4.6 लाख करोड़ डालर का बाजार है, लेकिन 2024 में भारत की हिस्सेदारी लगभग एक प्रतिशत ही रही।

कंप्यूटर एवं इलेक्ट्रानिक्स उपकरणों में इस्तेमाल होने वाले इंटीग्रेटेड सर्किट (आइसी) और सेमीकंडक्टर जैसे उच्च-प्रौद्योगिकी कलपुर्जों के बाजार पर चीन, हांगकांग और ताइवान का दबदबा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल में कई देशों एवं समूहों के साथ हुए एफटीए से भारतीय उत्पादों की विदेशी बाजार तक पहुंच बेहतर हुई है, लेकिन अस्थिर भू-राजनीतिक माहौल में निवेश जुटाने के लिए घरेलू खरीद नीति में अनुमान लगा पाने की क्षमता, निर्यात वित्त और विनियामक सरलीकरण पर अधिक जोर देना होगा। नीति आयोग ने सुझाव दिया कि भारत की रणनीति को असेंबली आधारित वृद्धि से आगे बढ़कर कलपुर्जा-आधारित मैन्यूफैक्चरिंग की ओर स्थानांतरित होना चाहिए।

तीन साल में घटे विदेश जाने वाले छात्र की संख्या, वीजा में सख्ती और बैंक लोन बना कारण

नई दिल्ली/ जीएनएस। उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले भारतीय स्टूडेंट्स की संख्या लगातार तीन सालों से कम हो रही है। आंकड़े केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक लिखित सवाल के जवाब में राज्यसभा में रखा। शिक्षा मंत्रालय के शेयर किए गए डेटा के मुताबिक, 2023 में 9.08 लाख से ज़्यादा भारतीय पढ़ाई के लिए विदेश गए। यह 2024 में घटकर 7.7 लाख और 2025 में 6.26 लाख हो गया, जो तीन सालों में लगभग 31 परसेंट की गिरावट है।

पिछले सालों में, 2021 में लगभग 4.44 लाख भारतीय स्टूडेंट्स विदेश में पढ़ाई के लिए गए थे, जबकि 2022 में 7.5 लाख हायर स्टडीज़ के लिए विदेश गए थे, जो हालिया मंदी से पहले महामारी के बाद तेज़ी से वापसी का संकेत है। ये आंकड़े 2021 से 2025 के समय के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत ब्यूरो ऑफ़ इमिग्रेशन से मिली जानकारी पर आधारित हैं।

मजूमदार ने कहा कि विदेश में पढ़ाई करना हर किसी की मर्जी और पसंद का मामला है, खासकर नॉलेज इकॉनमी के इस दौर में कई बातों पर निर्भर करता है। जैसे कि खर्च करने की क्षमता, बैंक लोन, विदेशों में संपर्क, पढ़ाई की किसी खास ब्रांच के लिए योग्यता है।

ब्रिटिश सोच की हुकूमत वाली इमारतें अब नहीं..., पीएम मोदी की नई कर्मभूमि सेवा तीर्थ से पहली स्पीच

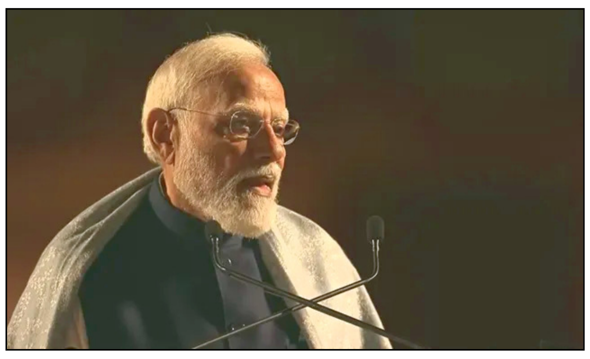

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम कार्यालय के नए पते सेवा तीर्थ से देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज हम सभी एक नए इतिहास को बनते देख रहे हैं। 13 फरवरी का यह दिन, भारत की विकास यात्रा में एक नए आरंभ का साक्षी बन रहा है।

पीएम मोदी ने कहा, शास्त्रों में विजया एकादशी का बहुत महत्व रहा है। इस दिन जिस संकल्प के साथ आगे बढ़ते हैं, उसमें विजय अवश्य प्राप्त होती है। आज हम सभी विकसित भारत का संकल्प लेकर सेवा तीर्थ में, कर्तव्य भवन में प्रवेश कर रहे हैं। अपने लक्ष्य में विजयी होने का दैवीय आशीर्वाद हमारे साथ है।

ब्रिटिश सोच वाली इमारतें अब नहीं- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साउथ ब्लॉक और नॉर्थ ब्लॉक जैसी इमारतें, जो ब्रिटिश सोच की हुकूमत को लागू करने के लिए बनी थीं, वहीं आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन जैसे परिसर भारत की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए बने हैं।

उन्होंने कहा, यहां से जो फैसले होंगे, वे किसी महाराजा की सोच को नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों की अपेक्षाओं को आगे बढ़ाने का आधार बनेंगे। इसी अमृत भावना के साथ आज मैं ये सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन भारत की जनता को समर्पित कर रहा हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय 21वीं सदी का पहला क्वार्टर पूरा हो चुका है। यह आवश्यक है कि विकसित भारत की कल्पना केवल नीतियों और योजनाओं में ही नहीं, बल्कि हमारे कार्यस्थलों और इमारतों में भी दिखाई दे। जहां से देश का संचालन होता है, वह जगह प्रभावी भी होनी चाहिए और प्रेरणादायी भी होनी चाहिए।

क्यों बदला गया पता - उन्होंने कहा, जैसे, आजादी के इतने सालों बाद भी दिल्ली सरकार के अनेक मंत्रालय दिल्ली के 50 से भी ज्यादा स्थानों से चल रहे हैं। प्रतिवर्ष इन स्थानों के किराये में डेढ़ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हो रहे हैं। हर रोज 8-10 हजार कर्मचारियों को एक इमारत से दूसरी इमारत में जाने का लॉजिस्टिक खर्च अलग होता था। अब सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवनों के निर्माण से ये खर्च कम होगा, समय बचेगा और प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी।

असफलता में सफलता छुपी होती है - कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जीवन में कभी निराश नहीं होना चाहिए। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी कर्म का उपदेश दिया है। कर्म करते रहो, फल अवश्य मिलता है, चाहे देर से ही क्यों न मिले। यह बात मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। वे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को मेहंदी, रंगोली, रस्साकशी और म्यूजिकल चेयर रेस जैसी प्रतियोगिताओं के साथ हुई। शुक्रवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ उत्सव का समापन हुआ। नृत्य और गायन प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

अपने संबोधन में मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि असफलता से घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि असफलता में ही सफलता छुपी होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा दी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उन्हें दोबारा जीवन में कुछ बनने का अवसर मिले तो वे विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष बनना पसंद करेंगे। उनके अनुसार विद्यार्थी जीवन अत्यंत अमूल्य होता है, क्योंकि इसी काल में व्यक्ति अपने भविष्य की दिशा तय करता है और जैसा इंसान बनना चाहता है, वैसा बन सकता है।

समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं और परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में युवा नेता रुद्राक्ष गोलू शुक्ला, डॉ. माला ठाकुर और कवि राकेश दांगी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरीश मिमरोठ ने किया तथा आभार डॉ. राजीव शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम की जानकारी डॉ. वंदना जोशी ने दी।

देपालपुर क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग द्वारा की गई प्रभावी कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध उत्खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को ग्राम बोरिया तहसील देपालपुर की निजी भूमि पर खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की गई। खनिज विभाग की इस कार्यवाही में अवैध उत्खनन करते हुए तीन जेसीबी मशीन व एक डंपर जप्त किए गये।

जांच कार्यवाही के दौरान पूछताछ करने पर उक्त मशीनें अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर बताई गई। इसमें एक जेसीबी मशीन क्रमांक MP09DW7126 मालिक गोकुल चौधरी निवासी कलारिया के नाम पर बताई गई और दूसरी जेसीबी बिना नंबर लिखी गोकुल दरबार निवासी अहिरखेड़ी इंदौर का होना बताया गया। एक डंपर क्रमांक MP09DW7126 व तीसरी जेसीबी मशीन क्रमांक MP09DW7126 8884 मालिक रमेश प्रजापति निवासी महेश नगर इंदौर का होना बताया गया। उक्त सभी मशीनों के द्वारा खनिज मिट्टी का उत्खनन बिना वैधानिक अनुमति के किया जाना पाया गया।

अवैध उत्खनन में संलिप्त पायी गई सभी चारों मशीनों एवं डम्पर वाहन को आगामी आदेश तक पुलिस थाना गांधीनगर की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया। प्रकरण में मध्य प्रदेश (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अंतर्गत अवैध खनन का प्रकरण दर्ज कर कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत किया जायेगा।

20 हजार से अधिक किसानों ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये कराया पंजीयन : मंत्री श्री राजपूत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अब तक 20 हजार 98 किसानों ने पंजीयन करा लिया है। किसान 7 मार्च तक पंजीयन करा सकते हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने किसानों से अपील की है कि निर्धारित समय में पंजीयन अवश्य करा लें। उन्होंने बताया है कि किसान पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनाया गया है। कुल 3186 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2026-27 के लिये गेहूँ का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है, जो गत वर्ष से 160 रूपये अधिक है।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि अभी तक इंदौर संभाग में 4084, उज्जैन में 9524, ग्वालियर में 476, चम्बल में 123, जबलपुर में 788, नर्मदापुरम में 900, भोपाल में 3602, रीवा में 68, शहडोल में 83 और सागर में 450 किसानों ने पंजीयन कराया है।

पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था- पंजीयन की निःशुल्क व्यवस्था ग्राम पंचायत और जनपद पंचायत कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केन्द्र पर और सहकारी समितियों एवं सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र पर की गई है।

पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था- पंजीयन की सशुल्क व्यवस्था एम.पी. ऑनलाईन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेन्टर कियोस्क, लोक सेवा केन्द्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर की गई है।

किसानों को करें एसएमएस- खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि विगत रबी एवं खरीफ के पंजीयन में जिन किसानों के मोबाइल नंबर उपलब्ध हैं, उन्हें एसएमएस से सूचित करने के निर्देश दिये गये हैं। गांव में डोंडी पिटवाकर ग्राम पंचायतों के सूचना पटल पर पंजीयन सूचना प्रदर्शित कराने तथा समिति/ मंडी स्तर पर बैनर लगवाने के निर्देश भी दिये गये हैं।

दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी 14 एवं 15 फरवरी को

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जारी वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना/प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमिनार तथा जिला स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी 2026 को ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं इन्दौर में किया जाएगा।

रुद्राक्ष महोत्सवः सीहोर स्टेशन पर व्यापक भीड़ प्रबंधन व्यवस्था, 21 जोड़ी ट्रेनों का अस्थायी ठहराव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में 14 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित होने वाले रुद्राक्ष महोत्सव के मद्देनजर पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने सीहोर रेलवे स्टेशन पर संभावित अतिरिक्त यात्री भीड़ को सुव्यवस्थित और सुरक्षित ढंग से संभालने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार मेला अवधि को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा, संरक्षा, यात्री सुविधा और ट्रेन परिचालन से जुड़ी बहुआयामी कार्ययोजना लागू की गई है।

महोत्सव के दौरान 13 से 22 फरवरी 2026 तक सीहोर स्टेशन पर 21 जोड़ी ट्रेनों को अस्थायी ठहराव दिया गया है। इसके अतिरिक्त उज्जैन से सीहोर और भोपाल के मध्य तीन जोड़ी विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। यात्री भार को देखते हुए आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की भी तैयारी रखी गई है।

भीड़ नियंत्रण के लिए मेला अवधि में सीहोर स्टेशन पर पैदल ऊपरी पुल से आवागमन अस्थायी रूप से बंद रखा गया है। भोपाल की ओर जाने वाली सभी ट्रेनें प्लेटफार्म संख्या 2 से संचालित होंगी, जबकि उज्जैन की ओर जाने वाली ट्रेनें प्लेटफार्म संख्या 1 से चलेंगी। भोपाल जाने वाले यात्रियों को भोपाल एंड स्थित अंडरपास से सीधे प्लेटफार्म 2 पर प्रवेश दिया जा रहा है, वहीं उज्जैन जाने वाले यात्री प्लेटफार्म 1 की ओर से सीधे प्रवेश कर सकेंगे। किस प्लेटफार्म से कौन-सी ट्रेन रवाना होगी, इसकी नियमित उद्घोषणा की जा रही है।

स्टेशन परिसर में विशेष क्राउड होल्डिंग एरिया बनाया गया है, जहां यात्रियों को ट्रेन आगमन से पूर्व रोका जाएगा और ट्रेन आने पर ही प्लेटफार्म पर प्रवेश दिया जाएगा, ताकि अनावश्यक भीड़ एकत्रित न हो। प्लेटफार्म और स्टेशन परिसर में व्यापक बैरीकेडिंग की गई है तथा प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए हैं।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत आरपीएफ और जीआरपी के अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सभी प्रवेश एवं निकास द्वारों पर सुरक्षा कर्मी नियुक्त हैं और स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। इन कैमरों की मॉनिटरिंग मंडल कार्यालय से वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा भी की जाएगी। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सिविल डिफेंस टीम को सक्रिय रखा गया है और चिकित्सा सुविधाओं की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

यात्रियों की सुविधा के लिए पीने के पानी, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, नियमित साफ-सफाई और डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्लेटफार्म संख्या 1 और 2 की ओर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोले गए हैं तथा टिकट जांच और निर्गमन के लिए वाणिज्य विभाग द्वारा अतिरिक्त स्टाफ तैनात किया गया है। स्टेशन और मेला क्षेत्र में दिशा-सूचक बैनर भी लगाए गए हैं, ताकि यात्रियों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मंडल रेल प्रबंधक श्री अश्वनी कुमार ने 13 फरवरी को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीहोर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए मंडल द्वारा व्यापक और सुविचारित तैयारी की गई है तथा यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता है। रतलाम मंडल के वाणिज्य, परिचालन, सुरक्षा, विद्युत, यांत्रिक और इंजीनियरिंग विभागों के समन्वित प्रयासों से मेला अवधि से पूर्व ही सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और स्थानीय प्रशासन के साथ भी निरंतर समन्वय स्थापित किया गया है।

पश्चिम रेलवे का रतलाम मंडल रुद्राक्ष महोत्सव के दौरान यात्रियों के सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित आवागमन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

ऑनलाइन खरीदी सेवा में कमी सिद्ध

अमेज़न उपभोक्ता को राशि लौटाएं व क्षतिपूर्ति के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग क्रमांक-एक, इंदौर ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय दिया है। जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से केस लड़ा गया और आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे द्वारा आदेश पारित किया गया। आयोग की सदस्य डॉ. बारंगे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि प्रकरण में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना करना पड़ा, जिसके लिए विपक्षी कंपनी उत्तरदायी है।

परिवादी श्री मयंक जैन, निवासी वर्धमान नगर, भुवानी, इंदौर द्वारा प्रकरण दायर किया गया था। परिवाद के अनुसार, परिवादी ने अमेज़न की वेबसाइट के माध्यम से अगस्त 2021 में दो परिधान उत्पाद (डिज़ाइनर लहंगा चोली) ऑनलाइन ऑर्डर किए थे, जिनकी कुल कीमत 97 हजार 998 रुपये थी। उत्पाद प्राप्त होने पर वे अपेक्षित गुणवत्ता एवं विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके पश्चात परिवादी द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उत्पाद लौटाए गए, किंतु इसके बावजूद कंपनी द्वारा आज तक भुगतान की गई राशि वापस नहीं की गई।

आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे के समक्ष सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि परिवादी ने समय-समय पर कंपनी से संपर्क किया गया। कम्पनी द्वारा संतोषजनक समाधान नहीं दिया गया। सदस्य डॉ. निधि बारंगे ने यह भी माना कि विपक्षी द्वारा प्रस्तुत तर्क एवं दस्तावेज़ सेवा में कमी को नकारने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

प्रकरण की सुनवाई अध्यक्ष श्री विकास राय तथा सदस्य श्री कुंदन सिंह चौहान एवं आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे की पीठ द्वारा की गई। आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के अंतर्गत निर्णय पारित करते हुए अमेज़न को निर्देशित किया कि परिवादी को दोनों उत्पादों की कुल राशि एक लाख रुपये 45 दिवस के भीतर लौटाई जाए तथा उक्त राशि पर 21 दिसंबर 2021 से भुगतान की तिथि तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज देय होगा। साथ ही मानसिक कष्ट के प्रतिकर स्वरूप 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त रूप से अदा किए जाएं। आयोग ने यह भी निर्देश दिए कि आदेश की प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए तथा आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित की जाए। यह निर्णय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन कंपनियाँ भी उपभोक्ता कानून के दायरे में पूर्णतः उत्तरदायी हैं।

ऑनलाइन खरीदी में सेवा में कमी सिद्ध, अमेज़न को राशि लौटाने व क्षतिपूर्ति के आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग क्रमांक-एक, इंदौर ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी अमेज़न के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में फैसला सुनाया है। आयोग ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि प्रकरण में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना करना पड़ा, जिसके लिए कंपनी उत्तरदायी है। यह मामला जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष श्री मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से प्रस्तुत किया गया था, जबकि आदेश आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे द्वारा पारित किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी श्री मयंक जैन, निवासी वर्धमान नगर, भुवानी, इंदौर ने अगस्त 2021 में अमेज़न की वेबसाइट के माध्यम से दो डिजाइनर लहंगा-चोली ऑनलाइन ऑर्डर किए थे, जिनकी कुल कीमत 97 हजार 998 रुपये थी। उत्पाद प्राप्त होने पर वे गुणवत्ता और विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए। इसके बाद परिवादी ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दोनों उत्पाद कंपनी को वापस लौटा दिए, लेकिन भुगतान की गई राशि उन्हें वापस नहीं की गई।

सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि परिवादी ने समय-समय पर कंपनी से संपर्क कर राशि वापसी का आग्रह किया, किंतु संतोषजनक समाधान नहीं मिला। आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे ने माना कि कंपनी द्वारा प्रस्तुत तर्क और दस्तावेज सेवा में कमी को नकारने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। प्रकरण की सुनवाई अध्यक्ष श्री विकास राय, सदस्य श्री कुंदन सिंह चौहान एवं सदस्य डॉ. निधि बारंगे की पीठ द्वारा की गई।

आयोग ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत आदेश पारित करते हुए अमेज़न को निर्देशित किया कि वह परिवादी को दोनों उत्पादों की कुल राशि एक लाख रुपये 45 दिवस के भीतर लौटाए। साथ ही 21 दिसंबर 2021 से भुगतान की तिथि तक 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज अदा करे।

मानसिक कष्ट के प्रतिकर स्वरूप 10 हजार रुपये तथा वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपये अतिरिक्त देने के भी निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने आदेश की प्रति निःशुल्क उपलब्ध कराने और उसे आयोग की वेबसाइट पर प्रकाशित करने का भी निर्देश दिया है।

यह निर्णय ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है। इससे स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन कंपनियां भी उपभोक्ता कानून के दायरे में पूर्ण रूप से उत्तरदायी हैं और सेवा में कमी पाए जाने पर उन्हें जवाबदेह ठहराया जा सकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 14 फरवरी को खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे

बुरहानपुर जिले को 696 करोड़ 37 लाख रूपये के विकास कार्यों की देंगे सौगातें

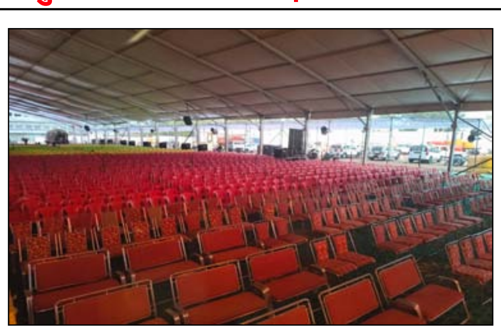

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 14 फरवरी को इंदौर संभाग के खण्डवा और बुरहानपुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुरहानपुर जिले को 696 करोड़ 37 लाख रूपये के विकास कार्यों की देंगे सौगातें देंगे। वहीं खण्डवा जिले में 600 करोड़ रूपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन करेंगे। कार्यक्रम की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बुरहानपुर में मुख्य कार्यक्रम नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगा। इस अवसर पर 334 करोड़ 22 लाख रूपये की लागत के 32 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 362 करोड़ 15 लाख रूपये की लागत के 48 कार्यों का भूमिपूजन किया जा जायेगा। प्रस्तावित कार्यक्रम अनुसार जिले में आगमन के पश्चात् मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रोड शो में शामिल होंगे। यह रोड शो शिकारपुरा थाना क्षेत्र के जीजामाता चौराहा से नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर तक आयोजित रहेगा। नेहरू स्टेडियम बुरहानपुर में आयोजित भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जायेगा। वहीं कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभागों द्वारा विकास प्रदर्शनी लगाई जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव खण्डवा जिले के पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में लगभग 255 करोड़ रूपए लागत के 2 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लगभग 354 करोड़ रूपए लागत के 11 निर्माण कार्यों का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 252 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाली खण्डवा नगर निगम की सीवरेज परियोजना का भूमिपूजन करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 2.90 करोड़ रूपए लागत से निर्मित होने वाले पंधाना बस स्टैण्ड, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एवं रैन बसेरा के निर्माण कार्य का भूमिपूजन करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंधाना में आयोजित कार्यक्रम में 301.41 करोड़ रूपए लागत से निर्मित भाम सिंचाई परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 37 करोड़ रूपए लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय पंधाना का लोकार्पण भी करेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव 11.06 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित होने वाले संयुक्त एसडीएम कार्यालय भवन पंधाना का लोकार्पण करेंगे।

मोबाइल झपटमारी का खुलासा, एरोड्रम पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चोरी, नकबजनी और झपटमारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पुलिस कमिश्नर इंदौर द्वारा दिए गए निर्देशों के तहत पुलिस थाना एरोड्रम ने एक मोबाइल स्नैचर को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया है। पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री कृष्ण लालचंदानी एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्रीमती मीना चौहान के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

पुलिस थाना एरोड्रम क्षेत्र में 10 फरवरी 2026 को एक फरियादी के घर के पास अज्ञात व्यक्ति द्वारा मोबाइल फोन झपटकर फरार होने की घटना सामने आई थी। फरियादी ने आरोपी का पीछा भी किया, लेकिन वह हाथ नहीं आया। घटना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर सहायक पुलिस आयुक्त श्री विवेक सिंह के निर्देशन में थाना प्रभारी एरोड्रम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

गठित टीम ने पूर्व में चोरी की घटनाओं में संलिप्त आरोपियों से पूछताछ की और आसपास के लगभग 25 से 30 सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण किया। मुखबिर तंत्र और आसूचना संकलन के आधार पर आरोपी सुमित उर्फ गोचू भिण्डवाल को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से झपटा गया मोबाइल फोन विधिवत जब्त कर लिया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी थाना एरोड्रम में चोरी एवं अन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं। प्रकरण में विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा अन्य वारदातों के संबंध में भी आरोपी से पूछताछ जारी है।

महाशिवरात्रि व तीन दिवसीय मेले में देवगुराडिया क्षेत्र की यातायात व्यवस्था बदली, ट्रैफिक रहेगा डायवर्ट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर देवगुराडिया शिव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए 14 से 16 फरवरी तक आयोजित तीन दिवसीय मेले के दौरान विशेष यातायात व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासन द्वारा मंदिर क्षेत्र में भीड़ और यातायात दबाव को नियंत्रित करने के लिए मार्गों में परिवर्तन किया गया है। निर्धारित व्यवस्था के अनुसार बायपास ब्रिज से देवगुराडिया मंदिर (नेमावर रोड) तक के ट्रैफिक को डायवर्ट किया जाएगा। नेमावर रोड की ओर जाने वाले वाहन चालक पत्थर मुंडला से कंपेल होते हुए अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। यह मार्ग नेमावर, हरदा, हाटपिपलिया, चापड़ा, खुड़ैल सहित अन्य क्षेत्रों में जाने वाले वाहनों के लिए महत्वपूर्ण है और यहां से बड़ी संख्या में बसों का संचालन भी होता है।

यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है। वाहन चालक पत्थर मुंडला से सनावदिया होते हुए कंपेल पहुंचकर वहां से सीधे नेमावर रोड में शामिल हो सकते हैं।

ऑपरेशन 'मुस्कान' में सदर बाजार पुलिस की त्वरित कार्रवाई, मंदबुद्धि व मुखबधिर बालक को चंद घंटों में परिजनों से मिलाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गुम एवं अपहृत बालक-बालिकाओं के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेते हुए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह द्वारा दिए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह एवं पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्री कृष्ण लालचंदानी के मार्गदर्शन में संचालित ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना प्रभारियों को लापता बच्चों की शीघ्र पतारसी के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में थाना सदर बाजार पुलिस ने सराहनीय कार्रवाई करते हुए एक मंदबुद्धि एवं मुखबधिर बालक को कुछ ही घंटों में सकुशल खोजकर परिजनों से मिला दिया। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-01 श्रीमती मीना चौहान तथा सहायक पुलिस आयुक्त मल्हारगंज श्री विवेक सिंह चौहान के मार्गदर्शन में की गई इस कार्रवाई के तहत साउथ गाडराखेड़ी निवासी 19 वर्षीय मुखबधिर एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक के घर से बिना बताए चले जाने की सूचना थाना सदर बाजार को प्राप्त हुई। परिजनों को आशंका थी कि उसके साथ कोई अनहोनी या अपहरण की घटना घटित हो सकती है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक यशवंत बडोले के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में लगे कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सतत प्रयास और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर युवक के थाना बाणगंगा क्षेत्र में होने की जानकारी प्राप्त हुई।

ओलावृष्टि से प्रभावितों को बारह दिनों बाद भी मुआवजा नहीं मिलने पर कांग्रेस का खेत में धूप, ध्यान कर बारहवी कर किया अनूठा प्रदर्शन

बिना सर्वे तत्काल मुआवजा दे सरकार अन्यथा कांग्रेस करेगी बड़ा आंदोलन- सिसौदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ तहसील क्षेत्र में विगत दिवस हुई ओलावृष्टि एवं तेज बेमौसम बारिश से अफीम, गेंहू, चिया, लहसुन सहित अन्य फसलों में भारी नुकसान हुवा व फसले पूरी तरह चौपट भी होगई किसानों ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक एवं प्रदेश के डिप्टी सीएम एवं वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी हमारे खेतो में जाकर नुकासानी को देखा व कहा था कि संकट के इस समय मे सरकार पीड़ित किसानों के साथ खड़ी है। लेकिन बारह दिनों के बाद भी किसानों के खाते में किसी प्रकार का कोई मुआवजा राशि किसी भी किसान के खातों में नही आई।

शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस के सचिव एवं क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी रहे परशुराम सिसौदिया, सह सचिव मुकेश निडर,मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं कांग्रेसनेता अनिल शर्मा, जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं जनपद सदस्य गणपत पंवार, विधानसभा युवक कांग्रेस के उपाध्यक्ष राहुल अहीर आदि ने पुनः ओलावृष्टि प्रभावित गांवों में खेतों में पहुंचकर किसानों से चर्चा की किसानों ने बताया कि 12 दिनों बाद भी कोई मुआवजा नही मिला नही कोई राजस्व विभाग का कर्मचारी या अधिकारी खेतो में फसल नुकसानी को देखने नही आया है। इसलिए हम आज ओलावृष्टि से एवं बेमोसम बारिश से खेत मे मृत हुई फसलों का धूप, ध्यान अगरबत्ती लगाकर दो मिनीट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की व बारहवीं का कार्यक्रम किया। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस के सचिव परशुराम सिसौदिया ने कहा कि सरकार बारह दिनों बाद भी सरकार सर्वे सर्वे का रोना रो रही है,जबकि सर्वे की कोई आवश्यकता नही रह गई है। सिसौदिया ने कहा कि क्षेत्रीय विधायक, डिप्टी सीएम प्रदेश के वित्तमंत्री जगदीश देवड़ा भी खेतो में गए और कहा कि संकट के समय पूरी सरकार आपके साथ खड़ी है, पर मुआवजा आज तक किसी भी किसान के खाते में नही आया है। कथनी और करनी में काफी अंतर है। सरकार तत्काल पीड़ित किसानों के खाते में पर्याप्त मुआवजा डाले अन्यथा कांग्रेस किसानों के साथ बड़ा आंदोलन कर सरकार को नींद से जगाएगी। मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार सर्वे के नाम पर किसानों को सिर्फ ठंडे गन्ने ओढाने का काम कर रही है सरकार की मुआवजा देने की नीयत नही है।शर्मा ने कहा कि 2019 में भी प्राकृतिक आपदा आई थी उस समय प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ जी की सरकार थी जिन्होंने किसानों को बगैर सर्वे के पर्याप्त मुआवजा दिया था।कांग्रेस की कथनी और करनी में कभी भी कोई अंतर नही रहा है। जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं जनपद सदस्य गणपत पंवार ने कहा कि भाजपा सरकार में किसान लगातार कर्जदार होता जारहा है किसानों को किसी भी उपज का लगात मूल्य तो दूर कृषिउपज मंडी तक उपज लेजाने का भाड़ा भी नही मिल रहा है,मोदी मोहन की सरकार किसान विरोधी है। इस मौके पर जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष, मुरलीधर चिचानी, बाबुखा मेवाती, ब्लॉक कांग्रेस के उपाध्यक्ष अनिल मुलासिया, किसान हरिसिंह पंवार, गोपाल पंवार, भेरू पप्पू गुर्जर, लालसिंह सोलंकी, रामेश्वर पंवार, उदयराम भाटी, फतेसिंह पंवार, जयसिंह पंवार, शांतिलाल पंवार, बापूलाल भाटी, सुरेश भाटी, कमल भाटी, भंवरलाल सोलंकी, घनश्याम पंवार, कारूलाल राठौड़, कमल भाटी, ओंकारलाल पंवार, श्यामलाल पंवार, रामचन्द्र भाटी, अजय चौहान, नंदलाल भाटी, श्रवण भाटी आदि मौजूद थे।

उद्यानिकी महाविद्यालय की छात्राओं ने न्यू किचन गार्डनिंग कॉन्सेप्ट के बारे में जाना

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ अरविन्द कुमार शुक्ल के निर्देशन में एवं उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर के अधिष्ठाता डॉ. दीपक हरि रानडे के मार्गदर्शन में कृषि विज्ञान केंद्र नीमच में अटैच हार्टी इंडस्ट्रियल कार्यक्रम की छात्राओं -साक्षी पांडे,राधा पांडे ज्योति पटेल, खुशबू यादव एवं दीप्ति उइके ने सात दिवसीय सात पंक्ति प्रणाली के तहत सब्जियों का चयन किया जिसका पोषण मान उच्च होता है । कार्यक्रम प्रभारी डॉ एच.पी सिंह ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र नीमच में अटैच हार्टी इंडस्ट्रियल कार्यक्रम की छात्राओं ने नीमच कृषि विज्ञान केंद्र से न्यू किचन गार्डनिंग कॉन्सेप्ट के बारे में जाना और मॉडल को हार्टी इंडस्ट्रियल कार्यक्रम के प्रेजेंटेशन में प्रस्तुत किया। पत्ते वाली सब्जी (जैसे पालक, मेथी), जड़ वाली सब्जी (गाजर, मूली) और फल वाली सब्जी (टमाटर, बैंगन) एक साथ उगाई जाती हैं। सात दिवसीय सात पंक्ति प्रणाली में बताया गया है कि इससे एक परिवार के पांच सदस्यों की पोषण की आवश्यकता पूरी होती है, इसमे नीमच केवीके हेड डॉ सी.पी पचौरी, डॉ. पी.एस नरूका, डॉ एस.एस. सारंगदेवोत, डॉ. शिल्पी वर्मा, डॉ. जेपी सिंह का सहयोग सराहनीय रहा।

जिला बाल संरक्षण इकाई मंदसौर द्वारा कार्यशाला आयोजित

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विभाग बीएल विश्नोई द्वारा बताया गया कि मिशन वात्सल्य योजना अंतर्गत किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015 (संशोधन 2021) के प्रावधानों के तहत् बच्चों की देखरेख एवं संरक्षण के सकारात्मक उपाय के सिद्धांत के अनुसार परिवार और समुदाय में सभी संसाधनों को जुटाकर बच्चों की भलाई को बढ़ावा देने एवं कमजोर बच्चों की पहचान को सुगम बनाया जाकर एक समावेशी और सक्षम वातावरण तैयार किये जाने हेतु प्रदेश में वल्नरेबिलिटी मैपिंग किये जाने के निर्देश के पालन में प्रथम चरण में नगरपालिका सभा कक्ष में जिला बाल संरक्षण इकाई, मंदसौर द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सभी 9 परियोजना के सभी पर्यवेक्षक एवं ब्लॉक कॉर्डिनेटरो ने भाग लिया। कार्यशाला में उडयन केयर एवं ममता टीम द्वारा वर्नेबिलिटी मैपिंग टूल का प्रशिक्षण दिया एवं जिले में होने वाले वर्नेबिलिटी मैपिंग सर्वे संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, विशेष पुलिस इकाई, जिला योजना विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, सदस्य बाल कल्याकण समिति उपस्थित रहे। जिनके साथ आगामी कार्ययोजना की चर्चा की गई एवं वर्नेबिलिटी मैपिंग से तैयार सूची को विभिन्न विभागों की योजनाओं से जोड़ने हेतु कार्यवाही करने हेतु कार्य के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी बीएल विश्नोई एवं सहायक संचालक मनीष कुमार आटोडिया प्रशिक्षकों द्वारा उडयन केयर एवं ममता टीम का स्वागत किया एवं वर्नेबल मैपिंग हेतु जिले की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला।

कलेक्टर द्वारा अवैध खनिज उत्खनन एवं परिवहन के दो प्रकरणों में 83 हजार 500 रूपये से अधिक की शास्ति आरोपित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड।कलेक्टर श्री हिमाशु चंद्रा द्वारा अवैध खनिज परिवहन के दो प्रकरणों में कुल 83 हजार 500 रूपये की शास्ति अधिआरोपित की गई है। कलेक्टर ने मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अनावेदक अवैध परिवहनकर्ता वाहन मालिक परसराम पिता विष्णुलाल निवासी हतुनिया द्वारा रैत का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 7500 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार रूपये इस प्रकार कुल 32500 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। अनावेदक अवैध खनिज उत्खननकर्ता वाहन मालिक किशनलाल पिता भेरूलाल गुर्जर निवासी जाट द्वारा मुरूम का अवैध परिवहन करने पर खनिज रायल्टी का 15 गुना अर्थशास्ति राशि 25500 रूपए एवं पर्यावरण क्षतिपूर्ति 25 हजार 500 रूपये इस प्रकार कुल 51000 रूपए की शास्ति अधिरोपित की हैं। इस प्रकार दो प्रकरणों में कुल 83 हजार 500 रूपये की शास्ति अधिरोपित की हैं। खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध कर कलेक्टर न्यायालय नीमच में प्रस्तुत किए गए थे।

सर्पदंश पीडित एक परिवार को चार आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व उपखण्ड नीमच श्री संजीव साहू द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) के तहत बामनबर्डी निवासी चंदाबाई पिता घीसालाल सुतार की 4 अक्टूबर 2025 को सर्पदंश से मृत्यु होने पर मृतक की वारिस माता शिवकन्याबाई बेवा घीसालाल सुतार को चार लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई हैं। तहसीलदार नीमच द्वारा आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर, स्वीकृत के लिए एसडीएम नीमच को प्रस्तुत किया गया था।

मेडिकल कॉलेज की डीन और सीएमएचओ ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरवन का किया निरीक्षण

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों हेतु ग्रामीण प्रशिक्षण केंद्र के रूप में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरवन को चिन्हित किया गया है। इस क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संध्या बेलसरे और मेडिकल कॉलेज की डीन डॉ अनीता मुथा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सरवन का निरीक्षण किया। वहां पहुंचकर उन्होंने आगामी समय में प्रशिक्षुओं के लिए हॉस्टल की व्यवस्था एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। सीएमएचओ द्वारा स्वास्थ्य विभाग संबंधी कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई तथा उपस्थित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए निर्देशित किया। भ्रमण के दौरान एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ गौरव बोरीवाल, मेडिकल कॉलेज से डॉ स्वर्णकांता लिखार, चिकित्सा अधिकारी डॉ रविन्द्र डामोर उपस्थित थे।

वर्तमान परिस्थितियों में लेखकों की भूमिका पर मंथन

संसदीय मर्यादा, सामाजिक सौहार्द, मीडिया की विश्वसनीयता और जनपक्षधर लेखन पर हुआ विचार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा वर्तमान परिस्थितियों में लेखकों के दायित्व विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें समसामयिक राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य, मीडिया की भूमिका तथा लेखकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता पर विस्तार से विचार व्यक्त किए गए। विशेष अतिथि एवं संगठन के पूर्व अध्यक्ष कैलाश जोशी ने संसद की कार्यवाही और समकालीन राजनीतिक आचरण पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संसदीय गरिमा निरंतर क्षीण हो रही है। उन्होंने निशिकांत दुबे का उल्लेख करते हुए शैक्षणिक व वैचारिक स्तर पर गिरावट की ओर संकेत किया तथा कहा कि सत्ता का दबाव अप्रत्यक्ष रूप से न्यायपालिका तक में महसूस किया जा रहा है। श्री जोशी ने कहा कि अव्यवस्थाएँ पूर्व में भी थीं, किंतु 2014 के बाद वे अधिक विकराल रूप में उभरी हैं। मीडिया पर घटते भरोसे का उल्लेख करते हुए उन्होंने सशक्त जन-आंदोलन और वैचारिक नेतृत्व की आवश्यकता बताई।

प्रलेसं राज्य सचिव मंडल सदस्य असअद अंसारी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से जुड़े विवादित वीडियो प्रकरण पर कहा कि संवैधानिक शपथ, डिजिटल जवाबदेही और प्रशासनिक नैतिकता—तीनों की कसौटी पर हैं। ऐसे मामलों की जाँच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि पोस्ट अनधिकृत थी तो संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं में FIR दर्ज कर कड़ी कार्यवाही होना चाहिए ताकि पुनरावृत्ति रोकी जा सके। संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. स्वप्निल ओझा ने मोहम्मद दीपक प्रकरण के संदर्भ में कहा कि आज पहचान और नाम के आधार पर जो सामाजिक संकुचन पैदा किया जा रहा है, वह नागरिक स्वतंत्रता के लिए चुनौती है। उन्होंने लेखकों से निर्भीक होकर संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक सौहार्द और मानवीय समानता के पक्ष में लेखन करने का आह्वान किया। संगठन के कोषाध्यक्ष ब्रजेश आर्य ने कहा कि अनेक घटनाओं से कतिपय संगठनों का सांप्रदायिक एजेंडा उजागर हो रहा है, इसलिए लेखकों का दायित्व है कि वे तथ्याधारित लेखन से नागरिक चेतना को सशक्त करें। वरिष्ठ सदस्य प्रकाश गुप्ता ने व्यापारी से विद्यार्थी तक व्याप्त भय के वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा कि इस मनःस्थिति की अभिव्यक्ति साहित्य में होना आवश्यक है। संगठन सचिव दिनेश बसेर ने किसानों की आय, महँगाई और आजीविका संकट का मुद्दा उठाते हुए लेखकों से जनपक्षधर लेखन का आह्वान किया। संचालन असअद अंसारी ने किया। आभार दिनेश बसेर ने

नीमच में रेत माफिया विक्रमसिंह का सिंडिकेट राज- एक रॉयल्टी पर्ची पर दौड़ रहे चार डंपर, राजस्व को करोड़ों का चूना

खनिज, पुलिस और ऋब्रह की चुप्पी पर उठे सवाल; ओवरलोडिंग से छलनी हो रही जिले की सड़कें और डंप हो रहा अवैध रेत

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में रेत के अवैध कारोबार और परिवहन ने अब एक संगठित सिंडिकेट का रूप ले लिया है। राजस्थान की सीमा से सटे नयागांव बॉर्डर के रास्ते नीमच शहर में दाखिल हो रहे रेत के डंपरों ने न केवल शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई हैं, बल्कि प्रशासन की कार्यप्रणाली को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। हाल ही में जनसुनवाई में पहुंची एक शिकायत ने विभाग के भीतर मचे हड़कंप और कथित लेन-देन के खेल को उजागर कर दिया है।

1. खेल पर्ची का- एक रॉयल्टी, चार शिकार- शिकायत में रेत माफिया के जिस शातिर तरीके का खुलासा हुआ है, वह चौंकाने वाला है। माफिया द्वारा एक पर्ची, अनेक चक्कर का फॉर्मूला अपनाया जा रहा है।

फर्जीवाड़ा- कागजों पर रॉयल्टी पर्ची केवल एक डंपर के लिए काटी जाती है, लेकिन उसी एक पर्ची की आड़ में 3 से 4 डंपर अवैध रूप से सीमा पार कराए जा रहे हैं।

गंतव्य का खेल- इन पर्चियों पर माल खाली करने का स्थान रतलाम या उज्जैन दर्शाया जाता है, ताकि लंबी दूरी का बहाना बनाकर पर्ची को घंटों तक एक्टिव रखा जा सके। लेकिन हकीकत में यह रेत नीमच शहर और आसपास के इलाकों में ही अवैध रूप से खपा दी जाती है।

2. ओवरलोडिंग- सड़कों पर मौत का तांडव और राजस्व की लूट- राजस्व चोरी के साथ-साथ यह माफिया सड़कों की उम्र और आम जनता की जान से भी खिलवाड़ कर रहा है।

दोगुना भार- जिन डंपरों की भार क्षमता 35 से 40 टन है, उनमें बेखौफ होकर 70 से 80 टन रेत भरी जा रही है।

क्षतिग्रस्त सड़कें- क्षमता से अधिक भार के कारण करोड़ों की लागत से बनी सड़कें समय से पहले दम तोड़ रही हैं।

दुर्घटनाओं को न्योता- ओवरलोड डंपरों के कारण आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं, जो सीधे तौर पर आम नागरिकों की सुरक्षा पर प्रहार है।

3. विभाग मौन या मिलीभगत- नियम कहते हैं कि ओवरलोडिंग पाए जाने पर वाहन को तुरंत जब्त कर खनिज विभाग के सुपुर्द किया जाना चाहिए। लेकिन नीमच में धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है।

दिखावे की कार्रवाई- पुलिस, आरटीओ और खनिज विभाग द्वारा जाँच के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है।

गठजोड़ के आरोप- जनसुनवाई में हुई शिकायत में साफ तौर पर विभागों के बीच अघोषित गठजोड़ की बात कही गई है, जिसके चलते इन डंपरों को शहर में बेधड़क घूमने का खुला लाइसेंस मिला हुआ है।

4. अब कलेक्टर के फैसले का इंतज़ार- इस पूरे मामले में अब सबकी नजरें नीमच कलेक्टर पर टिकी हैं। जिले के सरकारी खजाने को लग रहे इस करोड़ों के चूने और माफियाओं के बढ़ते हौसले पर लगाम कसने के लिए कड़े प्रशासनिक हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

बड़ा सवाल- क्या प्रशासन इस सिंडिकेट को ध्वस्त कर दोषियों पर दंडात्मक कार्रवाई करेगा, या फिर यह शिकायत भी लालफीताशाही की भेंट चढ़कर फाइलों में दफन हो जाएगी?

ग्राम नंदावता में जल अर्पण दिवस मनाया गया जल संरक्षण, संवर्धन, स्वच्छता के लिए किया जागरूक

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग जलशक्ति मंत्रालय के निर्देशों के परिपालन में रतलाम जिले के बनवाड़ा ग्राम पंचायत के ग्राम नंदावता में ÷जल अर्पण दिवस÷' गर्व का पर्व हर पल नल जल कार्यक्रम का आयोजन पीएचई कार्यपालन यंत्री श्री एस आर जांगड़े के मार्गदर्शन में जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ टंकी परिसर में रंगोली बनाकर किया गया। बालिकाओं द्वारा ग्राम में कलश यात्रा निकाली गई। सरपंच श्री शिवनारायण मालवीय ने कलश में लाए जल से शिव मंदिर में अभिषेक किया। ग्राम की महिलाओं ने अपने घरों के आगे साफ-सफाई कर नल कनेक्शनों की पुष्प हार व स्वस्तिक बनाकर पूजा अर्चना की, जल से जुड़े भजन एवं गीत गाए। बच्चों ने जागरूकता हेतु जल बचाने के नारों के साथ रैली निकाली। क्रियान्वित नल जल योजना का उचित संचालन, पेयजल स्त्रोत ट्यूबवेल,संपवेल नल का रखरखाव , पेयजल को सुरक्षित रखने एवं पेयजल स्त्रोतों को साफ-स्वच्छ बनाए रखने हेतु ग्रामीण जनों द्वारा शपथ के माध्यम से संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान नल चालक श्री श्रीपाल सिंह सोलंकी का नलजल योजना को नियमित एवं व्यवस्थित चलाने के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। पीएचई सहायक यंत्री श्री इरफान अली ने ग्राम नंदावता की जल एवं स्वच्छता समिति को विधिवत चलाने के लिए बधाई दी एवं जल बचाने की सरल विधियों की जानकारी दी। जनपद सदस्य प्रतिनिधि श्री राधेश्याम पांचाल, उपसरपंच श्री भरत लाल मालवीय, पूर्व विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री देवराम मतानिया ने जल के महत्व को बताते हुए उसे सहजने की बात कही। जिला जल सलाहकार श्री आनंद व्यास ने ग्रामीणों को जल अर्पण दिवस कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर सरपंच श्री शिवनारायण मालवीय उपयंत्री जिगनेश बामनिया, सचिव श्री रामचन्द्र डाबी, सहायक सचिव श्री ओमप्रकाश जायसवाल, शिक्षक श्रीमती कृष्णा कुंवर झाला, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शारदा राठौड़ , विकास खंड समन्वयक पप्पू सिंह डावर, श्री प्रमोद चाड , श्री पन्नालाल दिया, श्री लक्की खोईवाल, श्री दशरथ बैरागी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन आनंद व्यास ने तथा आभार सचिव श्री रामचन्द्र डाबी ने किया।

शासकीय राशि के दुरुपयोग पर लिपिक सेवा से बर्खास्त

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा शासकीय राशि के दुरुपयोग के गंभीर मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए इछावर तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक वर्ग-03 (लिपिक) श्री सुशील कुमार रायकवार को शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। विभागीय जांच में शासकीय राशि 63,58,894 रुपये के दुरुपयोग की पुष्टि होने पर यह कार्रवाई की गई। जांच प्रतिवेदन के अनुसार आरोपी कर्मचारी द्वारा कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग कर राशि का अवैध हस्तांतरण स्वयं एवं अन्य सहयोगियों के खातों में किया गया। प्रकरण में यह भी पाया गया कि शासन द्वारा राहत राशि के रूप में प्रदत्त धनराशि को अनियमित रूप से विभिन्न खातों में अंतरित किया गया, जिससे शासन को गंभीर आर्थिक क्षति पहुँची।

विभागीय जांच अधिकारी की रिपोर्ट में आरोप पूर्णतः प्रमाणित पाए जाने पर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रावधानों के तहत दंड अधिरोपित किया गया। कलेक्टर श्री बालागुरु के. द्वारा जारी आदेशानुसार श्री रायकवार को तत्काल प्रभाव से सेवा से पृथक किया गया है। साथ ही दुरुपयोग की गई राशि 63,58,894 रुपये की वसूली के निर्देश भी जारी किए गए हैं। जारी आदेश में उल्लेख है कि निर्धारित अवधि में राशि जमा न करने की स्थिति में भू-राजस्व की भाँति वसूली की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से बदली युवा उद्यमी की तकदीर

लहसुन प्रसंस्करण ईकाई स्थापित कर, आत्मनिर्भर बने पूरबसिह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना युवाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बना रही हैं। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के माध्यम से नीमच के युवा उद्यमी श्री पूरबसिह ने नीमच की कृषि उपज मण्डी चंगेरा के पास में लहसुन प्रसंस्करण ईकाई की स्थापना की हैं। पूरबसिह ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन में वर्ष 24-25 में योजना का लाभ लेकर लहसुन प्रसंस्करण उद्योग प्रारंभ किया हैं। इस उद्योग में लहसुन की कली निकालकर लहसुन की कली की ग्रेडिंग एवं आकर्षण पेकिंग कर अहमदाबाद विक्रय कर रहे हैं। आज उनकी इस यूनिट में 7 से 8 स्थानीय महिलाओं को रोजगार मिल रहा हैं। युवा उद्यमी पूरबसिह नीमच जिले सहित अहमदाबाद व अन्य शहरों में लहसुन कली की पैकिंग कर विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना के तहत लहसुन प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने के लिए पूरबसिह को भारतीय स्टेट बैंक शाखा दशहरा मैदान नीमच से 30 लाख रूपये का ऋण मिला हैं। साथ ही शासन की ओर उद्यानिकी विभाग द्वारा उन्हें 10 लाख रूपये का अनुदान भी प्रदान किया गया हैं।

युवा उद्यमी नीमच के श्री पूरबसिह लहसुन प्रसंस्करण उद्योग का सफलतापूर्वक संचालन कर, अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। वे बैंक से प्राप्त ऋण को नियमित रूप से अदा भी कर रहे। साथ ही स्थानीय 7 से 8 महिलाओं में अपने लहसुन प्रसंस्करण उद्योग में रोजगार भी दे रहे हैं। अपने उद्योग के लिए उन्हें नीमच कृषि उपज मण्डी से किसानों के माध्यम से लहसुन आसानी से उपलब्ध हो रही है, वे लहसुन की कली निकालकर अपने उद्योग में प्रोसिसिंग कर तैयार, लहसुन कली की ग्रेडिंग व आकर्षक पैकिंग कर अच्छे भाव में अहमदाबाद विक्रय कर अच्छा लाभ कमा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना से मिली मदद से पूरबसिह सफल उद्यमी बन गये हैं।

उल्लैखनीय है, कि कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिले में पी.एम.एफ.एम.ई. योजना के तहत अब तक कुल 205 हितग्राहियों को लाभांवित किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में 120 हितग्राहियों को लाभांवित कर, नवीन उद्योग इकाईयां स्थापित करवाई गई है।

सम्पादकीय

नारी ही परिवार की खुशी, राष्ट्र का गौरव और सुख की धुरी है

स्त्री की गरिमा और उसका सम्मान भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रहे हैं। हमारे यहां नारी को शक्ति, करुणा और सृजन का प्रतीक माना गया है तथा शास्त्रों में कहा गया है-यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता। यहां पाठकों को बताता चलूं कि यह प्रसिद्ध संस्कृत वचन मनुस्मृति से लिया गया है, जिसका अर्थ है कि जहां नारी का सम्मान और आदर होता है, वहां देवताओं का वास होता है। वास्तव में, यह कथन भारतीय संस्कृति में स्त्री के उच्च और पूजनीय स्थान को दर्शाता है।

नारी को शक्ति, करुणा, त्याग और सृजन की प्रतीक माना गया है।सच तो यह है कि परिवार और समाज की असली आधारशिला नारी ही होती है और जिस समाज में महिलाओं को समान अधिकार, शिक्षा और सुरक्षा मिलती है, वह समाज और देश प्रगति और समृद्धि की ओर अग्रसर होता है। इसके विपरीत, जहां नारी का अपमान होता है, वहां अशांति और पतन का वातावरण बनता है। इसलिए नारी सम्मान केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक आवश्यकता भी है।

इतिहास में रानी लक्ष्मीबाई, सरोजिनी नायडू और अहिल्याबाई होल्कर जैसी महान महिलाओं ने साहस, नेतृत्व और त्याग का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। परिवार और समाज के निर्माण में स्त्री की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है; वह मां, बहन, पत्नी और बेटी के रूप में जीवन को संवेदना, संतुलन और संस्कार प्रदान करती है।

आज के आधुनिक युग में महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, खेल और प्रशासन सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। इसलिए आवश्यक है कि स्त्री का सम्मान केवल परंपरा या शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक व्यवस्था में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे, तभी हमारा समाज सच्चे अर्थों में उन्नत और सभ्य बन सकेगा। बहरहाल, स्त्रियों की गरिमा व सम्मान के क्रम में हाल ही में जैस्मीन सैंडलस ने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक संगीत कार्यक्रम के दौरान एक बड़ा और साहसी कदम उठाया।

जब कुछ लोग वहां मौजूद लड़कियों और महिलाओं को परेशान कर रहे थे, तो उन्होंने गाना बीच में ही रोक दिया। बहरहाल,यहां पाठकों को बताता चलूं कि जैस्मीन सैंडलस एक प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकी पंजाबी गायिका और गीतकार हैं, जिन्होंने अपने अलग अंदाज़ और दमदार आवाज़ से संगीत जगत में खास पहचान बनाई है। उनका जन्म 4 सितंबर 1985 को पंजाब के जालंधर में हुआ और बाद में वह अमेरिका के कैलिफ़ोर्निया में पली-बढ़ीं। उन्होंने 2007 में अपने करियर की शुरुआत की और पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री में तेजी से लोकप्रिय हुईं। बॉलीवुड में उन्हें बड़ी पहचान फिल्म किक के गीत यार ना मिले से मिली।

उनके गानों में पॉप, आर एंड बी और पंजाबी फोक का मिश्रण देखने को मिलता है। जैस्मीन न सिर्फ गायिका हैं बल्कि अपने कई गीत स्वयं लिखती भी हैं, और अपनी बेबाक शैली व ऊर्जावान स्टेज परफ़ॉर्मेंस के लिए जानी जाती हैं।जैस्मीन सैंडलस ने संगीत कार्यक्रम के दौरान यह बात साफतौर पर कहीं कि जब तक महिलाएं खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, वह मंच पर नहीं गाएंगी। वास्तव में,यह घटना बताती है कि आज भी सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं को अभद्र व्यवहार का सामना करना पड़ता है। घर से बाहर निकलते ही उन्हें अपनी सुरक्षा की चिंता रहती है।

दुख की बात यह है कि ऐसे मामलों में कई लोग सब कुछ देखकर भी चुप रहते हैं।आज आए दिन मीडिया की सुर्खियों में यह खबरें हमें पढ़ने को मिलतीं रहतीं हैं कि विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं को आज अभद्र टिप्पणियों, घूरने, छेड़छाड़ और उत्पीड़न जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। बस, ट्रेन, बाजार, दफ्तर या यहां तक कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास भी वे असुरक्षा की भावना से घिरी रहती हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि घर से बाहर कदम रखते ही उन्हें अपने कपड़ों, समय और रास्तों तक के बारे में सोच-समझकर निर्णय लेना पड़ता है।

वास्तव में,यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच की समस्या भी है। जब तक महिलाओं के प्रति सम्मान, समानता और संवेदनशीलता की भावना समाज में मजबूत नहीं होगी, तब तक केवल सख्त कानून भी पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाएंगे। परिवार, विद्यालय और समाज सभी को मिलकर ऐसी मानसिकता विकसित करनी होगी, जिसमें महिला को स्वतंत्र और सुरक्षित नागरिक के रूप में स्वीकार किया जाए। वास्तव में, सार्वजनिक स्थानों को सुरक्षित बनाना सरकार, प्रशासन और हम सभी नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। सीसीटीवी, हेल्पलाइन, त्वरित कार्रवाई जैसे उपाय जरूरी हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है जागरूकता और जिम्मेदार व्यवहार। जब महिलाएं बिना भय के स्वतंत्र रूप से बाहर निकल सकेंगी, तभी समाज वास्तव में प्रगतिशील कहलाएगा।

सहजयोग के माध्यम से जीवन में पूर्णता लाएं

योग हमारे देश में एक प्राचीन जीवन विद्या रही है, लेकिन उसे आधुनिक काल में लोगों ने मात्र एक शारीरिक विधि के रूप में सीमित कर दिया है। वास्तव में योग केवल शारीरिक क्रिया नहीं है जिससे मनुष्य अच्छे स्वास्थ्य को प्राप्त करे, बल्कि एक ऐसा प्रयास भी है जिससे जीवन में शुभता और दिव्यता की प्राप्ति हो । लोग केवल शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक शान्ति की खोज करते हैं, लेकिन वह खोज भौतिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रहती है। अगर भौतिक व्यवस्था ठीक है तो स्वास्थ्य और शान्ति के लिये अनुकूल है, और हम भौतिक स्तर पर ही अपने आप को प्रसन्न रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन प्रसन्नता की प्राप्ति नहीं होती, बल्कि जीवन में संघर्ष ही रहते हैं। हमारे मनीषियों ने योग का आविष्कार मनुष्य के जीवन को पूर्णरूप से सुधारने के लिये किया था, केवल रोग को दूर करने के लिये नहीं। जीवन को पूर्णरूप

से सुधारने का मतलब होता है अपनी शारीरिक ऊर्जाओं को, प्राणों को संतुलित रखना, मन को व्यवस्थित रखना, मन के विकारों को अपने से दूर रखने का प्रयास करना। मानसिक विकार हैं क्या? काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मात्सर्य-ये छः चीजें मानसिक विकार हैं। जब शरीर रोगग्रस्त होता है तो हम चिकित्सक के पास चले जाते हैं और रोग को दूर करने के लिये दवाई मिल जाती है। मानसिक व्यथा होती है तो हम किसी मनोचिकित्सक के पास जाते हैं या फिर किसी साधु-महात्मा के पास जाते हैं इस कामना के साथ कि संभवतः हमें समाधान मिल जायेगा। बहुत स्थानों में समाधान मिलता है, बहुत जगहों में नहीं भी मिलता है, लेकिन जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण केवल शारीरिक और मानसिक सुख से जुड़ा रहता है।

कई आत्मसाक्षात्कारी संतों ने बताया है कि मनुष्य का जीवन केवल शरीर और मन के सुख तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य है पूर्णता को प्राप्त करना। पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते- हमारे जीवन की यात्रा जो पूर्ण से आरम्भ हुई है उसका अन्त भी पूर्णता में ही होना है। इसी पूर्णता सहजयोग के माध्यम से होती है, सहजयोग संस्थापिका परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी साधको को अपनी अमृतवाणी में बताती है कि, मानव अपनी क्रमागत उन्नति के साथ आगे तो बढ़ रहा है, पर उसका सरोकार उसके जीवन देने वाले उस परमात्मा से दूर गया। उसकी पूरी प्राथमिकता अपने खाना, परिवार प्रयोजन और उसकी आवश्यकता तक रह गयी है। परंतु अब वक्त बदल गया है। अब सभी को अपनी आत्मा की ओर देखना चाहिए जो पूर्ण रूप से सत्य है। इस सत्य के लिए, हमें अपना आत्मसाक्षात्कार लेना होगा, जो एक गुरु की उपस्थिति में ही पूर्ण होता है। इसलिए इस आत्मसाक्षात्कार को जानना भी मनुष्य की प्रवृत्ति में आना चाहिए । जो जीवन की समस्याओं का पूर्ण समाधान करता है। सहजयोग ध्यान द्वारा आत्मा को पाने की ऐसी पद्धति है जिसमें सहजता से निःशुल्क आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है।

बांग्लादेश में सत्ता का पुनर्संयोजनः भारत के लिए अवसर-संकेत

बांग्लादेश में हालिया चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जनता की स्पष्ट और सशक्त अभिव्यक्ति बनकर सामने आया है। 12 फ़रवरी 2026 को हुए इस ऐतिहासिक मतदान में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 299 क्षेत्रों वाले चुनाव में 209-212 सीटें जीतकर निर्णायक बहुमत हासिल किया। यह परिणाम वर्षों से चले आ रहे राजनीतिक असंतोष, प्रशासनिक कमज़ोरियों और लोकतांत्रिक अपेक्षाओं का स्वाभाविक नतीजा है। इस जनादेश ने बांग्लादेश की राजनीति को नई दिशा दी है और क्षेत्रीय संतुलन पर भी इसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। भारत के लिए यह परिवर्तन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि पड़ोसी देश की स्थिरता, नीतियाँ और नेतृत्व सीधे उसकी सुरक्षा, व्यापार और रणनीतिक हितों से जुड़े हुए हैं। यह चुनाव केवल सरकार बदलने की घटना नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति की आधारशिला रखने वाला महत्वपूर्ण मोड़ बन चुका है।

इस परिवर्तन की धुरी में तारीक रहमान का नेतृत्व सबसे प्रभावशाली भूमिका निभाता दिखाई देता है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद उनकी स्वदेश वापसी और फिर दो सीटों से निर्णायक जीत, बांग्लादेशी राजनीति में दुर्लभ और ऐतिहासिक घटना मानी जा रही है। उन्होंने स्वयं को केवल एक राजनीतिक उत्तराधिकारी नहीं, बल्कि संघर्ष, धैर्य और प्रतिरोध से तपकर निकले नेता के रूप में स्थापित किया है। उनका चुनावी अभियान सत्ता प्राप्ति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने जनता के मन में यह विश्वास जगाया कि व्यवस्था को बदला जा सकता है और शासन को जवाबदेह बनाया जा सकता है। भारत के लिए यह तथ्य विशेष महत्त्व रखता है कि उन्होंने सार्वजनिक मंचों से क्षेत्रीय सहयोग, व्यापार विस्तार और स्थिर संबंधों की आवश्यकता पर जोर दिया है। यदि यह दृष्टिकोण ठोस नीतियों में बदलता है, तो भारत-बांग्लादेश संबंधों को नई ऊर्जा और मजबूती मिल सकती है।

इस राजनीतिक परिवर्तन की पृष्ठभूमि वर्ष 2024 के छात्र आंदोलनों में गहराई से जुड़ी हुई है, जिन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता को जड़ से हिला दिया था। उनका सत्ता से हटना केवल एक सरकार का अंत नहीं, बल्कि केंद्रीकृत शासन, कथित भ्रष्टाचार और राजनीतिक दमन के विरुद्ध जनता के व्यापक असंतोष की खुली अभिव्यक्ति था। इसके बाद गठित अंतरिम सरकार का नेतृत्व मुहम्मद यूनुस ने किया, जिन्होंने सीमित समय और दबावपूर्ण परिस्थितियों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पुनर्जीवित किया। इस संक्रमणकाल में भारत ने संयम, संतुलन और संवाद की नीति अपनाई, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता को फैलने से रोका जा सका। यह भारत की परिपक्व और जिम्मेदार कूटनीति का स्पष्ट उदाहरण माना जाता है।

बीएनपी की इस ऐतिहासिक विजय का सबसे मजबूत आधार जनता का गहरा और व्यापक असंतोष रहा है। बेरोज़गारी, बढ़ती महंगाई, प्रशासनिक भ्रष्टाचार, मानवाधिकार उल्लंघन और राजनीतिक दमन ने आम नागरिक के धैर्य की सीमा को तोड़ दिया था। बीएनपी ने ÷लोकतंत्र की बहाली÷ और ÷नया बांग्लादेश÷ जैसे प्रभावशाली नारों के माध्यम से इस असंतोष को संगठित राजनीतिक चेतना में परिवर्तित किया। इसके विपरीत, जमात-ए-इस्लामी गठबंधन अपेक्षित जनसमर्थन हासिल करने में असफल रहा। भारत के दृष्टिकोण से यह स्थिति अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि कट्टरपंथी शक्तियों को सीमित समर्थन मिलना क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है। इससे सीमा पार उग्रवाद और अस्थिरता की आशंकाएं फिलहाल कम होती हुई दिखाई देती हैं।

भारत और बांग्लादेश के रिश्ते केवल औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे इतिहास, संस्कृति और आर्थिक सहयोग की गहरी नींव पर टिके हुए हैं। लगभग 4,096 किलोमीटर लंबी साझा सीमा, व्यापारिक मार्गों का विस्तृत जाल और पीढ़ियों से जुड़े सामाजिक संबंध दोनों देशों को स्वाभाविक रणनीतिक साझेदार बनाते हैं। भारत के लिए बांग्लादेश पूर्वोत्तर राज्यों की जीवनरेखा, समुद्री संपर्क का प्रमुख द्वार और क्षेत्रीय व्यापार का अहम सेतु है। अतीत में खालिदा जिया के कार्यकाल में द्विपक्षीय सहयोग को नई गति मिली थी। अब नई सरकार से भी अपेक्षा है कि वह ऊर्जा, रेल, बंदरगाह और कनेक्टिविटी परियोजनाओं को तेज़ी से आगे बढ़ाकर आर्थिक साझेदारी को और सशक्त बनाएगी। इससे न केवल व्यापार बढ़ेगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास को भी स्थायित्व मिलेगा।

सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग भारत-बांग्लादेश संबंधों की सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण कड़ी है। अवैध घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी, मानव व्यापार और आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियाँ दोनों देशों के लिए समान रूप से चिंता का विषय हैं। शेख हसीना सरकार के दौरान इन मुद्दों पर कड़ा नियंत्रण देखने को मिला था, जिससे सीमा क्षेत्र में अपेक्षाकृत स्थिरता बनी रही। अब बीएनपी सरकार से भी उसी स्तर की प्रतिबद्धता और सतर्कता की उम्मीद की जा रही है। यदि नई सरकार इस मोर्चे पर दृढ़ और निरंतर प्रयास करती है, तो भारत-बांग्लादेश सुरक्षा सहयोग और अधिक मजबूत होगा। इसके साथ ही, आर्थिक सुधार, विदेशी निवेश और निर्यात में वृद्धि दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को दीर्घकालिक लाभ पहुँचा सकती है, जहाँ स्थिरता और विकास एक-दूसरे के पूरक बनकर उभरेंगे।

इस चुनाव की सबसे सकारात्मक और आश्वस्त करने वाली विशेषता कुल मिलाकर शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण रही, हालांकि छिटपुट हिंसा की घटनाएं भी हुईं। विपक्ष, अंतरिम सरकार और प्रशासन ने लोकतांत्रिक मर्यादाओं का सम्मान करते हुए जिम्मेदार व्यवहार का परिचय दिया। यह संकेत देता है कि बांग्लादेश धीरे-धीरे राजनीतिक परिपक्वता और संस्थागत मजबूती की ओर बढ़ रहा है। हालांकि, असली परीक्षा अब शुरू होती है। भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण, न्यायिक स्वतंत्रता, मीडिया की स्वायत्तता और प्रशासनिक पारदर्शिता जैसे मुद्दों पर ठोस और निरंतर कार्रवाई आवश्यक होगी। भारत के लिए भी यह समय है कि वह केवल सरकारों तक सीमित न रहे, बल्कि संस्थागत और सामाजिक स्तर पर भी रिश्तों को मजबूत करे, ताकि द्विपक्षीय संबंध स्थायी, भरोसेमंद और भविष्य की चुनौतियों के प्रति सक्षम बन सकें।

आज बांग्लादेश जिस नए राजनीतिक मोड़ पर खड़ा है, वह केवल वर्तमान की दिशा नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के भविष्य को भी आकार देगा। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की यह ऐतिहासिक विजय देश के लिए नई उम्मीदों, नई जिम्मेदारियों और नई अपेक्षाओं का संकेत है, जबकि भारत के लिए यह सहयोग और साझेदारी को नई ऊंचाई देने का अवसर बनकर उभरी है। अब समय आ गया है कि दोनों देश पुराने अविश्वास, राजनीतिक संदेह और बीती हुई कटुताओं को पीछे छोड़कर साझा हितों पर आधारित मजबूत संबंध विकसित करें। यदि नई सरकार पारदर्शिता, स्थिरता और विकास को प्राथमिकता देती है और भारत संतुलित व दूरदर्शी नीति अपनाता है, तो यह साझेदारी पूरे दक्षिण एशिया के लिए शांति, सुरक्षा और समृद्धि की मिसाल बन सकती है। यही वह क्षण है, जब दूरदृष्टि और जिम्मेदारी मिलकर भविष्य की मजबूत आधारशिला रख सकती हैं।

-प्रो. आरके जैन

पूंजीगत व्यय की गति और निगरानी की चुनौती

बीते कुछ वर्षों में केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में हुए इजाफे का आकलन कई तरह से किया जा सकता है। ऐसा आकलन महत्त्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा वित्त वर्ष में रुझानों में काफी बदलाव आया है। वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय केवल 4.2 फीसदी बढ़ा जबकि इसके पिछले पांच सालों में हर वर्ष यह दो अंकों में बढ़ा था। यहां तक कि इस महीने प्रस्तुत बजट को देखें तो प्रभावी पूंजीगत व्यय, जिसमें पूंजीगत परिसंपत्तियां तैयार करने का अनुदान शामिल होता है, इस वर्ष 6 फीसदी से कम बढ़ेगा।

केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में इस स्तर की कमी काफी अधिक है। खासतौर पर तब जबकि इसकी तुलना बीते पांच साल में हुए अस्वाभाविक वार्षिक इजाफे से की जाए। यह ध्यान रहे कि इतनी वृद्धि मई 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद के शुरुआती छह साल में हुई वृद्धि की तुलना में काफी बेहतर थी।

वास्तव में 2014-15 और 2019-20 के बीच सरकार का पूंजीगत व्यय केवल तीन साल दो अंकों में बढ़ा। 2015-16 में यह सर्वाधिक 29 फीसदी बढ़ा। इन वर्षों में दो साल इसमें एक अंक की बढ़ोतरी हुई और 2017-18 में यानी एक साल तो पूंजीगत व्यय में 7.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। आश्चर्य नहीं कि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय 2014 से 2020 की अवधि में 1.5 फीसदी से 1.8 फीसदी के बीच बना रहा।

महत्त्वपूर्ण बात यह है कि, 1990 के दशक के आर्थिक सुधारों के साथ पूंजीगत व्यय की एक मजबूत खुराक भी जुड़ी हुई थी। 1990 के दशक के अधिकांश वर्षों में पूंजीगत व्यय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 3 फीसदी से अधिक पर ऊंचा बना रहा। 1999-2000 से इसमें धीरे-धीरे गिरावट आई, हालांकि 2003 से 2005 के बीच कुछ अवसरों पर इसमें उछाल देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि 2005 से 2020 तक, यानी 15 वर्षों की अवधि में, पूंजीगत व्यय केवल दो बार यानी 2007-08 और 2010-11 में जीडीपी के 2 फीसदी से अधिक हुआ। कोविड के बाद पूंजीगत व्यय के मोर्चे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो उपलब्धि हासिल की है, वह सराहनीय है। वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच उन्होंने औसतन हर वर्ष पूंजीगत व्यय में 26 फीसदी की वृद्धि की। निश्चित रूप से, कोविड के बाद के वर्षों में यह आवश्यक हो गया था, क्योंकि निजी क्षेत्र की निवेश क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी और सरकार ने अधोसंरचना निर्माण में निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने राजकोषीय संसाधनों का उपयोग करने का निर्णय लिया। फिर भी, यह एक ऐसा रिकॉर्ड है जिसे पिछले कई दशकों में किसी अन्य वित्त मंत्री ने हासिल नहीं किया। जीडीपी के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय 2019-20 में 1.67 फीसदी से बढ़कर 2024-25 में 3.2 फीसदी हो गया।

-धनंजय राजौरा

नशा एक भीषण महामारी, इसे जड़ से खत्म करना होगा

नशा मानव जीवन की उन कमजोरियों में से एक है, जिसने युगोंङ्कयुगों से व्यक्ति, परिवार और समाज को भीतर से क्षीण किया है। यह केवल आधुनिक समय की समस्या नहीं है, बल्कि इसके बीज पौराणिक काल तक फैले हुए दिखाई देते हैं। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि भारतीय पौराणिक परंपरा ने नशे को कभी जीवनङ्कमूल्य नहीं माना, बल्कि उसे पतन का कारण बताया और आत्मसंयम को श्रेष्ठ गुण के रूप में प्रतिष्ठित किया।

पौराणिक काल में नशे का उल्लेख प्रतीकात्मक और सीमित रूप में मिलता है। देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन से प्राप्त 'सुरा' और 'सोम' का प्रसंग प्रसिद्ध है। किंतु यह समझना आवश्यक है कि सोम कोई सामान्य नशीला पेय नहीं था, बल्कि वह यज्ञीय और औषधीय प्रयोजनों से जुड़ा दिव्य तत्व था, जिसका प्रयोग केवल विशेष अवसरों पर और संयमित रूप में होता था। इसके विपरीत, जब सुरा का प्रयोग असंयम और भोग के लिए हुआ, तो उसका परिणाम विनाशकारी सिद्ध हुआ। पुराणों में असुरों का पतन अक्सर उनकी भोगवादी प्रवृत्ति और मद्यपान से जोड़ा गया है, जो यह संकेत देता है कि नशा विवेक और मर्यादा के क्षय का कारण बनता है।

महाभारत में यदुवंश का विनाश नशे के दुष्परिणामों का सबसे सशक्त उदाहरण है। द्वारका में यादवों के बीच मद्यपान से उत्पन्न उन्माद ने उन्हें आपस में ही विनाश की ओर धकेल दिया। यह प्रसंग स्पष्ट संदेश देता है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे वंश और समाज को नष्ट कर सकता है। रामायण में भी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जीवन पूर्ण संयम और आत्मनियंत्रण का आदर्श है। वहाँ नशा कहीं भी आदर्श जीवन का अंग नहीं बनता, बल्कि त्याग, तप और संयम को ही श्रेष्ठ माना गया है।

बौद्ध और जैन परंपराओं ने तो नशे के विरुद्ध और भी स्पष्ट रुख अपनाया। भगवान बुद्ध के पंचशील में नशा न करने की प्रतिज्ञा आत्मिक जागरण की अनिवार्य शर्त है। महावीर स्वामी ने इंद्रिय संयम को मोक्ष का द्वार बताया। इन सभी परंपराओं का मूल संदेश यही है कि नशा मनुष्य को उसके लक्ष्य से भटका देता है और आत्मविकास के मार्ग में बाधा बनता है।

आज के समय में नशे की समस्या कहीं अधिक विकराल रूप ले चुकी है। शराब, तंबाकू, गुटखा, अफीम और सिंथेटिक ड्रग्स ने समाज के हर वर्ग को प्रभावित किया है, विशेषकर युवा पीढ़ी को। नशा आज केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि संगठित अपराध, बेरोजगारी, पारिवारिक विघटन और मानसिक रोगों का कारण बन चुका है। इसका प्रभाव राष्ट्र की उत्पादकता और सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ता है।

नशे के विरुद्ध प्रभावी संघर्ष के लिए बहुआयामी प्रयास आवश्यक हैं। सबसे पहले, सामाजिक चेतना का निर्माण करना होगा। पौराणिक कथाओं और ऐतिहासिक उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया जा सकता है कि नशा सदैव पतन का कारण रहा है। शिक्षा संस्थानों में नैतिक शिक्षा, योग, ध्यान और जीवनङ्ककौशल को अनिवार्य किया जाना चाहिए, ताकि युवा तनाव से निपटने के लिए नशे का सहारा न लें।

दूसरे, परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। संवादहीनता और भावनात्मक रिक्तता नशे की ओर पहला कदम होती है। यदि परिवार बच्चों को समय, स्नेह और सही मार्गदर्शन दे, तो नशे की संभावना स्वतः कम हो जाती है। तीसरे, शासन और समाज को मिलकर नशे के व्यापार पर कठोर नियंत्रण करना होगा। केवल कानून नहीं, बल्कि पुनर्वास और परामर्श केंद्रों का विस्तार भी आवश्यक है, ताकि नशे में फँसे व्यक्ति को अपराधी नहीं, रोगी समझकर उपचार दिया जा सके। अंततः, नशे के विरुद्ध संघर्ष एक निरंतर अभियान है, न कि एक बार का कार्यक्रम। पौराणिक काल से लेकर आज तक का अनुभव यही सिखाता है कि जहाँ संयम, विवेक और मूल्य रहे, वहाँ समाज फला-फूला; और जहाँ नशा जीवनङ्कशैली बना, वहाँ विनाश अवश्यंभावी हुआ। आज आवश्यकता है कि हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों की ओर लौटते हुए नशा-मुक्त, स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना होगा।

-संजीव ठाकुर

सूक्ष्म वित्त के लिए एक नए मॉडल की दरकार

केंद्रीय बजट 2026-27 में लघु व्यवसायों को इक्विटी सहायता प्रदान करने और लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) को चैंपियन बनाने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के एसएमई विकास कोष का प्रस्ताव रखा गया है। यह एसएमई क्षेत्र के लिए खुशखबरी है। ऐसे उद्यमों (विशेषकर लघु उद्यमों) को ऋण देने वाले कुछ संस्थान-सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई)-बजट में अपने लिए ऋण गारंटी कोष की मांग कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

जुलाई 2021 में सरकार ने एमएफआई के लिए एक क्रेडिट गारंटी फंड लॉन्च किया है, जो छोटे एमएफआई और एनबीसीएफ-एमएफआई को दिए गए ऋण के लिए बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) जैसे ऋणदाताओं को 75 प्रतिशत तक कवरेज प्रदान करता है। इसका प्रबंधन नैशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा किया जाता है।

-स्वामी देवेन्द्र ब्रह्मचारी

तनाव, आतंक और अंधकार के बीच शिव का प्रकाश

15 फरवरी 2026 को जब समूचा भारत महाशिवरात्रि का पावन पर्व मनाएगा, तब यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं होगा, बल्कि आत्मजागरण का विराट अवसर होगा। महाशिवरात्रि वह रात्रि है जब साधक अपने भीतर के अंधकार को पहचानकर शिवत्व के प्रकाश से उसे आलोकित करने का संकल्प लेता है। शिव केवल देवता नहीं, वे चेतना के शाश्वत आयाम हैं-महाकाल, जो समय से परे हैं, नटराज, जो सृष्टि की लय और ताल के अधिपति हैं और नीलकंठ, जो विष को पीकर भी अमृत का संदेश देते हैं। आज का युग विज्ञान, तकनीक और उपभोग का युग है। मानव ने अंतरिक्ष को नापा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता विकसित की, लेकिन अपने भीतर की शांति खो बैठा। तनाव, अवसाद, असंतोष, युद्ध, आतंकवाद और नैतिक विघटन की घटनाएँ विश्व को विचलित कर रही हैं। ऐसे दौर में शिव की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। शिव भक्ति कोई चमत्कारिक जादू नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित करने का वैज्ञानिक और आध्यात्मिक मार्ग है।

शिव का स्वरूप द्वंद्वों से परे है। वे संहारक भी हैं और सृजनकर्ता भी। यह संदेश आज के समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जड़, जर्जर और अनैतिक है, उसका विनाश आवश्यक है ताकि नवजीवन अंकुरित हो सके। जब हम अपने भीतर के अहंकार, क्रोध, लोभ और मोह का संहार करते हैं, तभी सच्चा निर्माण संभव होता है। यही शिव का वास्तविक चमत्कार है भीतर के विष का रूपांतरण। समुद्र-मंथन की कथा केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि मानवीय जीवन का प्रतीक है। जब संसार अमृत की खोज में लगा, तब सबसे पहले विष निकला। आज भी जब मानव प्रगति की दौड़ में है, तो साथ में प्रदूषण, हिंसा और असंतुलन का विष भी उत्पन्न हो रहा है। उस विष को कौन पियेगा? शिव का नीलकंठ रूप हमें सिखाता है कि समाज के संकट को दूर करने के लिए त्याग और सहनशीलता आवश्यक है। जब हम अपने स्तर पर कटुता को निगल लेते हैं और उसे बाहर नहीं फैलाते, तभी समाज में शांति बनी रहती है। इसी प्रकार गंगा के अवतरण की कथा बताती है कि अनियंत्रित शक्ति विनाशकारी हो सकती है। शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण कर संतुलित प्रवाह दिया। आज के संदर्भ में यह संदेश अत्यंत प्रासंगिक है। तकनीक, धन, सत्ता-ये सभी शक्तियाँ हैं। यदि वे अनियंत्रित हों तो विध्वंसक बनती हैं, और यदि शिव-संयम में हों तो कल्याणकारी। अतः शिव भक्ति का अर्थ है-शक्ति का संतुलन।

आधुनिक मनुष्य की सबसे बड़ी समस्या है-तनाव। प्रतिस्पर्धा, अपेक्षाएं और असुरक्षा ने उसे अशांत बना दिया है। शिवरात्रि की रात्रि जागरण की रात्रि है, लेकिन यह बाह्य जागरण से अधिक आंतरिक जागरण है। जब साधक ऊँ नमः शिवाय का जप करता है, तो वह अपने भीतर के कंपन को संतुलित करता है। यह पंचाक्षरी मंत्र मन, प्राण और चेतना को एकाग्र करता है। वैज्ञानिक शोध भी बताते हैं कि नियमित ध्यान और मंत्रजाप से तनाव कम होता है, रक्तचाप संतुलित होता है और मानसिक स्थिरता बढ़ती है। यह शिव साधना का प्रत्यक्ष प्रभाव है। शिव पुराण में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी की निशीथ बेला में ज्योतिर्लिंग का प्रादुर्भाव हुआ। यह ज्योति केवल पत्थर की आकृति नहीं, बल्कि अनंत प्रकाश का प्रतीक है। शिवलिंग का अर्थ है-चिह्न, जो निराकार ब्रह्म का संकेत देता है। आधुनिक मनुष्य के लिए यह बोध आवश्यक है कि ईश्वर किसी सीमित रूप में बंधा नहीं है। वह ऊर्जा है, चेतना है, जो प्रत्येक कण में विद्यमान है।

आज विश्व युद्ध और आतंकवाद की विभीषिका से जूझ रहा है। हिंसा की ज्वाला में मानवता झुलस रही है। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं, बल्कि संतुलन का नृत्य है। जब अन्याय बढ़ता है, तब परिवर्तन अनिवार्य होता है। किंतु शिव का संदेश यह भी है कि क्रोध नहीं, करुणा से परिवर्तन संभव है। वे रुद्र हैं-दुःखों का हरण करने वाले। शिव भक्ति का चमत्कार यह है कि वह मनुष्य के भीतर करुणा, सहिष्णुता और क्षमा का विकास करती है। जब व्यक्ति बदलता है, तब समाज बदलता है और जब समाज बदलता है, तब विश्व में शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव और शक्ति का मिलन भी आधुनिक जीवन के लिए महत्वपूर्ण प्रतीक है। यह पुरुष और प्रकृति, चेतना और ऊर्जा, विचार और क्रिया का समन्वय है। आज परिवारों में विघटन, संबंधों में दूरी और जीवन में असंतुलन इसलिए है क्योंकि यह समरसता टूट रही है। शिवरात्रि हमें स्मरण कराती है कि संतुलन ही जीवन का आधार है। व्रत और उपवास का आध्यात्मिक महत्व भी आज समझने योग्य है। उपवास केवल भोजन त्याग नहीं, बल्कि इंद्रियों का संयम है। यह आत्मशुद्धि की प्रक्रिया है। जब व्यक्ति एक दिन के लिए भी भोगों से दूर रहता है, तो उसे अपनी आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करने का अवसर मिलता है। उपभोक्तावादी संस्कृति में यह अत्यंत आवश्यक साधना है।

शिव भक्ति का सिद्ध प्रभाव उन असंख्य भक्तों के अनुभवों में दिखाई देता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी आस्था नहीं छोड़ी। सच्चे मन से की गई प्रार्थना व्यक्ति को आंतरिक शक्ति देती है। यह शक्ति उसे संकटों से जूझने का साहस देती है। चमत्कार बाहर नहीं, भीतर घटित होता है-जब निराशा आशा में बदलती है, भय विश्वास में और अशांति शांति में। आज आवश्यकता है कि शिव को केवल मंदिरों तक सीमित न रखा जाए। वे काठ, पत्थर या मूर्ति में नहीं, बल्कि भाव में निवास करते हैं। जब हम सत्य बोलते हैं, करुणा का व्यवहार करते हैं, प्रकृति की रक्षा करते हैं, तब हम शिव की आराधना करते हैं। पर्यावरण संरक्षण भी शिव भक्ति है, क्योंकि वे कैलाशवासी योगी हैं, प्रकृति के संरक्षक हैं। जल, वायु, अग्नि और पृथ्वी के संतुलन की रक्षा करना ही शिव के प्रति सच्ची श्रद्धा है।

महाशिवरात्रि 2026 हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम अपने भीतर के विष को पहचानें और उसे शिवचेतना में रूपांतरित करें। हम अपने जीवन में संयम, संतुलन और साधना को स्थान दें। हम क्रोध के स्थान पर क्षमा, अहंकार के स्थान पर विनम्रता और अशांति के स्थान पर ध्यान को अपनाएं। शिवत्व की प्राप्ति कोई दूर की वस्तु नहीं। यह हमारे भीतर ही सुप्त है। आवश्यकता केवल जागरण की है। जब मनुष्य स्वयं को जीत लेता है, तभी वह सच्चे अर्थों में विजयी होता है। यही आत्मयुद्ध है, यही शिव की साधना है। इस महाशिवरात्रि पर हम सब मिलकर यह प्रार्थना करें-

हे नीलकंठ! हमारे भीतर के विष को शांत करो।
हे महाकाल! हमें समय का सदुपयोग सिखाओ।
हे शंकर! हमारे जीवन में कल्याण का संचार करो।

जब यह प्रार्थना सच्चे मन से होगी, तब निश्चित ही उसका प्रतिफल मिलेगा। क्योंकि शिव भाव के भूखे हैं। जहाँ निष्कपट श्रद्धा है, वहाँ शिव की कृपा अवश्य बरसती है। आधुनिक युग की जटिलताओं के बीच शिव भक्ति ही वह सेतु है, जो मनुष्य को स्वयं से, समाज को शांति से और विश्व को अमन से जोड़ सकती है। यही महाशिवरात्रि का सच्चा संदेश है-अंधकार से प्रकाश की ओर, अशांति से शांति की ओर, मृत्यु से अमृतत्व की ओर।

-ललित गर्ग

प्रदेश में समाधान योजना में अब तक 5 लाख 58 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को मिली सरचार्ज में छूट

दूसरे चरण में 28 फरवरी तक एकमुश्त जमा करने पर सरचार्ज में मिलेगी 90 प्रतिशत तक की छूट

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का द्वितीय व अंतिम चरण 28 फरवरी तक लागू है। इस दौरान तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल नहीं हो पाए, वे अब द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

समाधान योजना में 2025-26 में अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 5 लाख 58 हजार 598 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 553 करोड़ 90 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 267 करोड़ 70 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं, जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के द्वितीय चरण में सरचार्ज में 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 ÷ एक नजर में - समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में द्वितीय और अंतिम चरण 01 फरवरी से शुरू हो चुका है जो कि 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। दूसरे चरण में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के लिये श्चशह्लड्डद्य.द्वश्चष्5.द्बठ्ठ पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के उपाय ऐप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र से भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

आयुष विभाग द्वारा वृद्धाश्रम बसेरा देवास में वरिष्ठजनों के लिए होम्योपैथी चिकित्सा शिविर किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ ममता जूनवाल ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा वरिष्ठजनों के लिए हॉलिस्टिक वेल-बीइंग कैंपस का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत वृद्धाश्रम बसेरा देवास में होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. आकांक्षा कुशवाह द्वारा वृद्धजनों को ध्यान एवं ओम उच्चारण करवाया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ सुभाषचंद्र भार्गव द्वारा सीनियर सिटीजन को जीवन शैली में आयुर्वेद की महत्ता के बारे में बताया गया। शिविर में विभागीय अधिकारी, बसेरा प्रबंधक एवं वृद्धजन उपस्थित थे।

जिला पंचायत देवास की साधारण सभा एवं सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक 18 फरवरी को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत साधारण सभा एवं सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लीला अटारिया की अध्यक्षता में 18 फरवरी को दोपहर 12 बजे जिला पंचायत सभा कक्ष में आयोजित की गई है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत देवास श्रीमती ज्योति शर्मा ने सभी संबंधितों को बैठक में उपस्थित रहने को कहा है।

नगर परिषद भौंरासा द्वारा 14 से 23 फरवरी तक लगाया जायेगा महाशिवरात्रि मेला

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास नगर परिषद भौंरासा द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भंवरनाथजी महाराज का मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन 14 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद भौंरासा ने बताया है कि मेले में प्रतिदिन रात्रि के समय विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले में भौंरासा नगर सहित आसपास के नगरों एवं गांव के व्यापारी अपनी दुकानें लगाते हैं। साथ ही मेले में पशु मेला भी लगता है, जिसमें मालवा सहित पूरे मप्र के व्यापारी अपने पशुओं की खरीदी-बिक्री के लिए आते है।

देवास जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए पंचायत स्तर पर दल का गठन होगा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाए जाने को प्रतिबंधित किया गया है। देवास जिले में निर्देशों का पालन कराने के लिए कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में पंचायत स्तर पर दल गठित करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिये है कि दल में संबंधित ग्राम पंचायत पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक को शामिल किया जाये। दल फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषकों को जागरुक करने का कार्य करेगा तथा क्षेत्र में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखेगा। निर्देशों का उल्लंघन होने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सूचित करेगा। निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संबंधित व्यक्ति/निकाय से प्रावधान अनुसार पर्यावरण क्षति पूर्ति राशि दण्डस्वरूप वसूल करेंगे। जिसमें ऐसे कृषक जिनकी भूमि 2 एकड से कम हो, अर्थ दण्ड राशि 02 हजार 500 रूपये, ऐसे कृषक जिनकी भूमि 2 एकड से ज्यादा एवं 5 एकड से कम हो, अर्थ दण्ड राशि 05 हजार रूपये तथा ऐसे कृषक जिनकी भूमि 5 एकड से अधिक हो, उन पर 15 हजार रूपये अर्थ दण्ड लगाने की कार्यवाही की जायेगी।

देवास जिले में फसल अवशेष (नरवाई) जलाए जाने की घटनाओं को रोकने के लिए पंचायत स्तर पर दल का गठन होगा

दल में संबंधित ग्राम पंचायत पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक होंगे शामिल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण सुरक्षा के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को खेतों में जलाए जाने को प्रतिबंधित किया गया है।

देवास जिले में निर्देशों का पालन कराने के लिए कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में पंचायत स्तर पर दल गठित करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिये है कि दल में संबंधित ग्राम पंचायत पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत सचिव तथा ग्राम रोजगार सहायक को शामिल किया जाये।

दल फसल अवशेष प्रबंधन के लिए कृषकों को जागरुक करने का कार्य करेगा तथा क्षेत्र में नरवाई जलाने की घटनाओं पर सतत निगरानी रखेगा। निर्देशों का उल्लंघन होने पर संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सूचित करेगा। निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व संबंधित व्यक्ति/निकाय से प्रावधान अनुसार पर्यावरण क्षति पूर्ति राशि दण्डस्वरूप वसूल करेंगे।

जिसमें ऐसे कृषक जिनकी भूमि 2 एकड से कम हो, अर्थ दण्ड राशि 02 हजार 500 रूपये, ऐसे कृषक जिनकी भूमि 2 एकड से ज्यादा एवं 5 एकड से कम हो, अर्थ दण्ड राशि 05 हजार रूपये तथा ऐसे कृषक जिनकी भूमि 5 एकड से अधिक हो, उन पर 15 हजार रूपये अर्थ दण्ड लगाने की कार्यवाही की जायेगी।

जिला अस्पताल में एक दिवसीय सामाजिक सुरक्षा योजना शिविर का आयोजन हुआ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीएमएचओ डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि जिला अस्पताल में एक दिवसीय सामाजिक सुरक्षा योजना शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सामाजिक न्याय विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, जिला उद्योग एवं व्यापार केन्द्र, जिला कौशल विकास केन्द्र, आयुष्मान निरामयम, नगर निगम, शिक्षा विभाग, आईटीआई, लोक सेवा केन्द्र के विभागीय अधिकारियों एवं पी.एल.एच.आई.वी. की उपस्थिति में आयोजित किया गया। शिविर में समस्त विभागीय अधिकारियों द्वारा पी.एल.एच.आई.वी. को मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा एवं योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। न्यायाधीश श्री सुभाष चौधरी द्वारा सामाजिक सुरक्षा योजना, एचआईवी एक्ट अधिनियम-2017 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कैम्प में संबंधित प्रश्नोत्तर किये गये। आवश्यकतानुसार शासन की योजनाओं के फार्म भरवाए गए। उक्त शिविर में लगभग 90 पी.एल.एच.आई.वी. लाभान्वित हुए।

यूजीसी बिल का 19 संगठनों ने विरोध जताया, सयाजी द्वार से शव यात्रा निकाल कर पुतला दहन किया

सवर्ण समाज ने नियमों को बताया काला कानून

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सवर्ण समाज के 19 संगठनों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) का विरोध प्रदर्शन किया। शुक्रवार को स्थानीय सयाजी द्वार से यूजीसी की प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली गई, जो शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली का समापन जवाहर चौक पर हुआ, जहां सवर्ण समाज द्वारा पुतले का दहन कर ज्ञापन भी सौंपा गया। प्रदर्शनकारी संगठनों ने यूजीसी के नए नियमों को तत्काल वापस लेने की मांग की। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि ये नियम जातिगत भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष दिनेश मिश्रा ने बताया कि समस्त सवर्ण समाज देवास इस कानून का विरोध करता है। मिश्रा ने कहा कि यह नियम सवर्ण समाज के लिए काला कानून है और उनके बच्चों के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि समस्त सवर्ण समाज के अध्यक्षों के साथ चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद किया गया है। उन्होंने सरकार से इस कानून को तुरंत वापस लेने की अपील की। इस अवसर पर सर्व समाज विकास मंच के राष्ट्रीय संयोजक ईश्वर सिंह राजपूत हटे सिंह बेस एडवोकेट चंद्रपाल सिंह सोलंकी करणी सेना से ठाकुर सुरेंद्र सिंह गौड़ ठाकुर विशाल सिंह रघुवंशी गोलु रघुवंशी तूफान सिंह परमार बांगर सौदान सिंह परिहार अमोना वरिष्ठ समाज सेवी श्रीकांत उपाध्याय सहित हजारों की संख्या में श्रवण समाज के लोग उपस्थित रहे !

विश्व एनीमिया दिवस पर कन्या महाविद्यालय में संगोष्ठीरू 100 से अधिक छात्राओं का हीमोग्लोबिन परीक्षण

विदिशा /दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व एनीमिया दिवस के अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय में इंटीग्रेटेड एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक वेलफेयर सोसाइटी एवं महाविद्यालय के एनएसएस इकाई के तत्वावधान में एक जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं एवं स्टाफ में एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके दुष्प्रभावों को कम करने हेतु आवश्यक उपायों पर चर्चा करना था।

संगोष्ठी में विदिशा के वरिष्ठ चिकित्सकों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रमुख वक्ताओं में राज्य स्तरीय आईएमए अध्यक्ष डॉ. एम.के. जैन, जिला आईएमए अध्यक्ष डॉ. राजीव जैन, क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. समीर किरार, डॉ. सुरेंद्र सोनकर तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. सचिन गर्ग शामिल रहे। विशेषज्ञों ने एनीमिया के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं उपचार संबंधी विस्तृत जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान 100 से अधिक छात्राओं एवं स्टाफ सदस्यों का रक्त परीक्षण कर हीमोग्लोबिन जांच की गई। परीक्षण के माध्यम से छात्राओं को अपने स्वास्थ्य की वास्तविक स्थिति जानने का अवसर मिला तथा आवश्यकता अनुसार चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी.डी. अहिरवार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. नीता पांडेय, डॉ. एन.पी. अरोरा एवं प्रोफेसर नीता दीक्षित की विशेष उपस्थिति रही। वक्ताओं ने छात्राओं को एनीमिया की रोकथाम हेतु संतुलित आहार, आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के नियमित सेवन तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।

डॉ. एम.के. जैन ने अपने संबोधन में भारतीय तिरंगे के तीन रंगोंकृहरा, सफेद और नारंगीकृसे आहार शैली को जोड़ते हुए बताया कि अच्छे स्वास्थ्य और उचित रक्त स्तर के लिए भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध एवं दुग्ध उत्पाद तथा मौसमी फल-सब्जियों का संतुलित समावेश आवश्यक है। उन्होंने आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ विटामिन-सी युक्त आहार लेने की सलाह दी, जिससे आयरन का अवशोषण बेहतर होता है। साथ ही डॉक्टर की सलाह से आयरन की गोलियां लेने की भी आवश्यकता बताई।

आयुष विभाग द्वारा वृद्धाश्रम बसेरा देवास में वरिष्ठजनों के लिए होम्योपैथी चिकित्सा शिविर किया गया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला आयुष अधिकारी डॉ ममता जूनवाल ने बताया कि आयुष विभाग द्वारा वरिष्ठजनों के लिए हॉलिस्टिक वेल-बीइंग कैंपस का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत वृद्धाश्रम बसेरा देवास में होम्योपैथी चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. आकांक्षा कुशवाह द्वारा वृद्धजनों को ध्यान एवं ओम उच्चारण करवाया गया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ सुभाषचंद्र भार्गव द्वारा सीनियर सिटीजन को जीवन शैली में आयुर्वेद की महत्ता के बारे में बताया गया। शिविर में विभागीय अधिकारी, बसेरा प्रबंधक एवं वृद्धजन उपस्थित थे।

समाधान योजना में अब तक 5 लाख 58 हजार से अधिक उपभोक्ताओं को मिली सरचार्ज में छूट

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025-26 का द्वितीय व अंतिम चरण 28 फरवरी तक लागू है। इस दौरान तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ताओं को एकमुश्त राशि जमा करने पर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट का लाभ दिया जा रहा है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया। कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गर्ग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के प्रथम चरण में शामिल नहीं हो पाए, वे अब द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

समाधान योजना में 2025-26 में अब तक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 5 लाख 58 हजार 598 बकायादार उपभोक्ताओं ने अपना पंजीयन कराकर लाभ लिया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खाते में 553 करोड़ 90 लाख से अधिक की मूल राशि जमा हुई है, जबकि 267 करोड़ 70 लाख रूपए का सरचार्ज माफ किया गया है।

समाधान योजना 2025-26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं, जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के द्वितीय चरण में सरचार्ज में 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किस्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 ÷ एक नजर में- समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। योजना में द्वितीय और अंतिम चरण 01 फरवरी से शुरू हो चुका है जो कि 28 फरवरी 2026 तक चलेगा। दूसरे चरण में एक मुश्त भुगतान करने पर 70 से 90 फीसदी तथा किस्तों में भुगतान करने पर 50 से 60 फ़ीसदी तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना 2025-26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के लिये portal.mpcz.in पर पंजीयन कराना होगा। कंपनी के उपाय ऐप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है।

पंजीयन के दौरान अलग-अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र से भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

डिवीजनल कमाण्डेन्ट ऊषा डामर ने किया विदिशा होमगार्ड का वार्षिक निरीक्षण

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागीय सेनानी होमगार्ड, भोपाल सुश्री ऊषा डामर द्वारा आज जिला होमगार्ड कार्यालय, विदिशा का वार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक कार्यप्रणाली, अभिलेखों की स्थिति, आपदा प्रबंधन तैयारियों तथा जवानों की कार्यक्षमता का विस्तृत परीक्षण किया गया।

निरीक्षण के प्रारंभ में जिला कमांडेंट होमगार्ड, विदिशा श्री मयंक कुमार जैन द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर संभागीय सेनानी का स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे के नेतृत्व में होमगार्ड जवानों द्वारा औपचारिक सलामी दी गई।

होमगार्ड मुख्यालय द्वारा निर्धारित रोस्टर के अनुसार दो दिवसीय वार्षिक निरीक्षण के दौरान सुश्री ऊषा डामर ने कार्यालयीन अभिलेखों की संवीक्षा की तथा विभिन्न शाखाओं के कार्यों की समीक्षा की। साथ ही आपदा प्रबंधन से संबंधित उपकरणों एवं संसाधनों की प्रदर्शनी का अवलोकन कर उनकी उपयोगिता एवं तत्परता की जानकारी ली।

इसके पश्चात डिवीजनल कमांडेंट द्वारा होमगार्ड एवं एसडीईआरएफ जवानों की परेड एवं किट का निरीक्षण किया गया। परेड के दौरान जवानों की ड्रिल, अनुशासन एवं समन्वय की सराहना की गई। मैदानी कार्यों से संबंधित महत्वपूर्ण बारीकियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। किट निरीक्षण में उत्कृष्ट टर्नआउट वाले जवानों को पुरस्कृत किया गया, जबकि अन्य जवानों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश दिए गए।

निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत होमगार्ड ट्रेनिंग सेंटर कालापाठा में वृक्षारोपण भी किया गया। इस अवसर पर सुश्री ऊषा डामर, जिला कमांडेंट श्री मयंक कुमार जैन, प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे, एएसआई लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा, एएसआई आर.बी. साहू एवं एएसआई (एम) श्री यासिर खान द्वारा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। संभागीय सेनानी ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

कार्यालय निरीक्षण के उपरांत सैनिक सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें कार्यालय स्टाफ एवं बड़ी संख्या में होमगार्ड जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। सम्मेलन में जवानों की समस्याओं, सुझावों एवं प्रशिक्षण संबंधी विषयों पर चर्चा की गई।

दस्तक अभियान के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि प्रदेश में बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाने के उद्देश्य से विभाग द्वारा प्रतिवर्ष महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से दस्तक अभियान संचालित किया जाता है। यह अभियान वर्ष में 2 बार आयोजित किया जाता है। जिले में बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न सेवाएँ प्रदान करने के लिये जिले में दस्तक अभियान का दूसरा चरण 17 फरवरी से 19 मार्च 2026 तक आयोजित हो रहा है। अभियान के द्वितीय चरण में 5 वर्ष तक के बच्चों की चिकित्सकीय जांच कर बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार एवं प्रबंधन पर बल दिया जाता है। अभियान के सफल आयोजन हेतु जिले के स्वास्थ्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

जिला टीकाकरण अधिकारी सह नोडल अधिकारी दस्तक अभियान डॉ सुनील तिवारी ने बताया कि दस्तक अभियान के इस चरण में 9 माह से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों का विटामिन ए अनुपूरण किया जाएगा तथा दस्तक अभियान के प्रथम चरण में चिन्हित 6 माह से 5 वर्ष तक के एनिमिक बच्चों का एनिमिया फॉलोअप टेस्टिंग किया जाएगा। उन्होंने विटामिन ए की कमी के दुष्परिणामों की जानकारी दी। इसकी कमी से दस्त एवं खसरे के प्रकरणों में बढ़ावा, बच्चों में रतोन्धी, जीरोप्थाल्मिया, कॉर्निया का नष्ट होना एवं अंधत्व, रोगों से लड़ने की क्षमता में कमी के कारण संक्रमण की अधिकता, संक्रमण जनित एनीमिया में बढ़ोत्तरी, बच्चों में समुचित वृद्धि न होना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। विटामिन ए की कमी के प्रमुख कारणों में माँ का पहला गाढ़ा पीला दूध (खीस) न पिलाना, पहले 6 महीने केवल स्तनपान न कराना, 6 माह पश्चात स्तनपान के साथ-साथ ऊपरी आहार शुरू न करना, 6 माह के बाद पूर्ण रूप से स्तनपान बंद कर देना, बच्चों को खिलाये जाने वाले आहार में विटामिन ए युक्त भोजन का न होना, खसरा, दस्त जैसे संक्रमण का बार-बार होना आदि शामिल है। विटामिन ए की कमी से बचाव के लिए नवजात शिशु को माँ का पहला गाढ़ा दूध पिलायें, 06 माह तक केवल स्तनपान कराएं, 6 माह उपरांत बच्चे के ऊपरी आहार में हरी पत्तेदार सब्जियां एवं पीले फल-सब्जि जैसे पपीता, आम, गाजर आदि देना, बच्चे के आहार में दूध व दूध से बनी चीजे जैसे दही, मक्खन, घी आदि देना चाहिए। प्रशिक्षण में विकास खण्डों से मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, बीईई, बीपीएम, बीसीएम मौजूद रहे।

जबरेश्वर सेना द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर नगर में बड़ा आयोजन

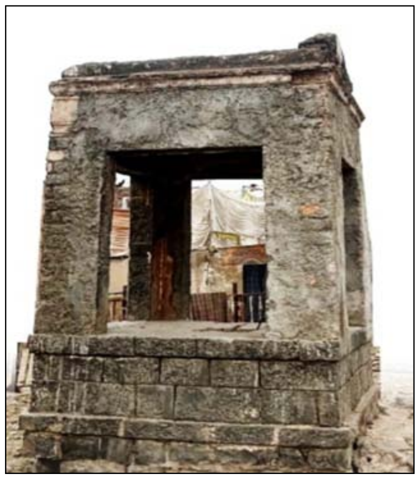

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री जबरेश्वर महादेव मंदिर जिसका संघर्ष सतत् 2017 से चल रहा है 2017 में मकर संक्रांति पर इसका आगाज हुआ था और तभी से हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में महाशिवरात्रि पर्व पर भक्त एकत्रित होते है और शोभायात्रा निकालकर श्री जबरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करते है परंतु दुखद विषय ये है कि वहां पर कुछ वर्षों पहले विधर्मियों द्वारा मंदिर ओर आसपास की जगह पर कब्जा कर लिया गया था जिसकी सूचना 2017 में जबरेश्वर सेना को प्राप्त हुई ,तभी से जबरेश्वर सेना ने मंदिर को पुनः अपने स्वरूप में लाने के लिए अब तक प्रयास कर रही है जबरेश्वर सेना संरक्षक राजेंद्र चौधरी का कहना है कि विधर्मियों द्वारा मंदिर एवं सनातन संस्कृति को गहरी चोट पहुंचाई गई जिसका जवाब हिंदू समाज अवश्य देगा, हम हर वर्ष महाशिवरात्रि पर्व पर एकत्रित होकर श्री जबरेश्वर महादेव का अभिषेक करते है एवं ये संकल्प लेते है कि जल्द ही श्री जबरेश्वर महादेव अपने स्थान पर विराजमान हो जिसके लिए जो भी कार्य करना होगा साम दाम दंड भेद हर प्रकार का प्रयास हम करते रहेंगे मंदिर संघर्ष को लेकर हर गांव समरसता भोज का आयोजन भी किया गया , जबरेश्वर संरक्षक राजेंद्र चौधरी ने बताया कि मंदिर का केस हाई कोर्ट में लंबित हैं लेकिन जल्द ही इस पर निर्णय होना चाहिए, हिंदू समाज अब बर्दाश्त नहीं करेगा ।

माना जाता है कि राजेंद्र चौधरी के पास देपालपुर तहसील में युवाओं की बहुत बड़ी फौज है जिसका उदाहरण अभी महाशिवरात्रि पर देखने को मिल सकता है । प्रसाद में खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। जबरेश्वर सेना ने देपालपुर नगर एवं आसपास के ग्रामीण लोगों से आव्हान किया है कि वे 15 फरवरी रविवार को श्री जबरेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी में पधारे ओर इस ऐतिहासिक कार्य का हिस्सा बने।

उदयपुरा में कल गूंजेगा शिव-भक्ति का स्वररू नीलकंठेश्वर मंदिर में 'महादेव महोत्सव' का आयोजन

विदिशा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संस्कृति विभाग द्वारा विदिशा जिले के उदयपुरा स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर परिसर में महादेव महोत्सव का भव्य आयोजन रविवार, 15 फरवरी की सायं 6रू30 बजे से किया जाएगा। शिव-सत्य की कला अभिव्यक्तियों पर केंद्रित यह सांस्कृतिक संध्या श्रद्धा, भक्ति और लोक-शास्त्रीय परंपराओं का अनुपम संगम प्रस्तुत करेगी।

संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन विदिशा के सहयोग से आयोजित इस महोत्सव में भगवान शिव को समर्पित लोक गायन, नृत्य नाटिका एवं भक्ति संगीत की विशेष प्रस्तुतियाँ संयोजित की जाएंगी। आयोजन का उद्देश्य शिव-भक्ति की परंपरा को जन-जन तक पहुंचाना तथा स्थानीय एवं प्रादेशिक कलाकारों को मंच प्रदान करना है।

लोक सुरों से सजेगी सांस्कृतिक संध्या - कार्यक्रम की शुरुआत हरदा की सुप्रसिद्ध लोक गायिका सुश्री मिशा शर्मा द्वारा लोक गायन से होगी। उनके मधुर सुर मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण का सृजन करेंगे और दर्शकों को लोक-संस्कृति की आत्मीय अनुभूति कराएंगे। इसके पश्चात भोपाल की सुश्री अपर्णा चतुर्वेदी एवं उनके साथी कलाकार भगवान शिव पर केंद्रित भावप्रवण नृत्य नाटिका प्रस्तुत करेंगे। इस प्रस्तुति में शिव कथा को नृत्य और अभिनय के माध्यम से जीवंत किया जाएगा, जिससे दर्शक आध्यात्मिक अनुभूति के साथ कला की सौंदर्याभिव्यक्ति का भी आनंद ले सकेंगे। समारोह की अंतिम कड़ी में भोपाल की सुश्री नवनी श्रीवास्तव एवं उनके साथी कलाकारों द्वारा भक्ति गायन की प्रस्तुति दी जाएगी। शिव-आराधना से ओतप्रोत उनके स्वरों से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक भाव-विभोरता से आलोकित हो उठेगा।

श्रद्धा और संस्कृति का संगम- महादेव महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि शिव भक्ति, लोक परंपरा और शास्त्रीय-सुगम कलाओं के समन्वय का उत्सव है। आयोजन से क्षेत्र में सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिलेगी तथा स्थानीय नागरिकों को एक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त होगा। जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग ने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित उपस्थित होकर इस भव्य आयोजन का हिस्सा बनें और शिव-भक्ति की इस दिव्य संध्या का आनंद लें।

दिव्यांगजनों के लिए मेडिकल बोर्ड एवं उपकरण वितरण शिविर प्रारंभ

डिण्डोरी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजनों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु जिले में मेडिकल बोर्ड, पेंशन निराकरण, यूडीआईडी पंजीयन तथा सहायक उपकरण वितरण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत स्तर पर शिविरों की शुरुआत कर दी गई है।

निर्धारित कार्यक्रमानुसार आज जनपद पंचायत करंजिया में दिव्यांगजन हितग्राहियों के लिए शिविर आयोजित किया गया, जिसमें मेडिकल परीक्षण, प्रमाण पत्र निर्माण, यूडीआईडी कार्ड पंजीयन, पेंशन संबंधी कार्यवाही तथा सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन की प्रक्रिया संपन्न की गई। शिविर में संबंधित विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर हितग्राहियों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन शिविरों में दिव्यांगजनों को एक ही स्थान पर विभिन्न योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ देने की व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आगामी दिनों में अन्य जनपद पंचायतों में भी निर्धारित तिथियों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई है।

अधिवक्ताओं के साथ नेशनल लोक अदालत संबंधी बैठक आयोजित

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री संजीव श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आज शुक्रवार 13 फरवरी 2026 को जिला न्यायालय दतिया के सभा कक्ष में अधिवक्ताओं के साथ दिनांक 14 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के आयोजन हेतु बैठक का आयोजन किया गया बैठक के प्रारंभ में प्रधान जिला एवं सूचना न्यायाधीश द्वारा श्री शिवराज सिंह जाट अध्यक्ष जिलाअधिवक्ता संघ को वर्ष 2025 में आयोजित नेशनल लोक अदालत में सहयोग किये जाने हेतु प्रशस्ति पत्र दिया गया। बैठक में उपस्थित अधिवक्ताओं को आगामी नेशनल लोक अदालत 14 मार्च 2026 की जानकारी देकर कहा कि विगत लोक अदालतों की भांति अधिवक्ता संघ के समस्त सदस्यों से सहयोग की अपेक्षा की उन्होंने मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दवा के प्रकरणों से संबंधित क्लेमेंट अधिवक्ताओं और कंपनी के अधिवक्ताओं से भी बीमा कंपनी के प्रकरणों के साथ-साथ अन्य समस्त प्रकार के राजीनामा योग्य प्रकरणों में रुचि लेते हुए अधिक से अधिक प्रकरणों में राजीनामा करने का सहयोग करने की बात कही।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा एक्ट के दुरूपयोग के खिलाफ एक करोड हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्टीय अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह तोमर ने इन्दौर में आयोजित राष्टीय कार्यकारिणी बैठक में तीन बिन्दुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पास किये। जिसमें जातिगत आरक्षण समाप्त करो, गरीबी के आधार पर लागू करो एवं केवल उसी गरीब तबके को ही आरक्षण दिया जाए जो आज तक आरक्षण का लाभ से वंचित रहा है। दुसरा बिंदु एससी एसटी एट्रोसिटी एक्ट का जो दुरूपयोग हो रहा है उसे समाप्त किया जाए तथा तीसरा बिन्दु यूजीसी एक्ट 2026 जिसमें विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के छात्रो व टीचिंग नॉन टीचिंग स्टाफ के बीच भेदभावपूर्ण है उसे समाप्त किया जाए।

उपरोक्त तीनो बिन्दुओं के क्रिन्यावयन हेतु अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा एवं सर्वसमाज के द्वारा राष्टपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू को ज्ञापन दिया जायेगा जिसके अन्तर्गत महासभा की राष्टीय महिला अध्यक्ष श्रीमती हेमलता तोमर एवं राष्टीय उपाध्यक्ष जितेन्द्रसिंह कुशवाह के द्वारा एक करोड़ हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत आज की गई। जिसमें सहमति हस्ताक्षर अभियान चलाया जाकर सर्वसमाज के लोगो से हस्ताक्षर करवाये जा रहे है एवं राष्टपति को भेजकर उक्त तीनो बिन्दुओं पर कार्यवाही की मांग की जायेगी। तोमर ने बताया कि जातिगत आरक्षण को समाप्त किया जाना चाहिये जिससे गरीबो को भी उनके अधिकार मिल सके। एससी एसटी एक्ट के दुरूपयोग पर कार्यवाही करना चाहिये तथा यूजीसी का काला कानून जो छात्रों के बीच में भेदभाव उत्पन्न कर रहा है उसको वापस लिया जाए।

सहमति हस्ताक्षर पत्र में आज ब्राह्मण समाज अध्यक्ष गुलजारीलाल त्रिवेदी, सतीश बजाज, अशोक बिसानी, राजेश इन्द्र, चन्द्रशेखर जैन, एन के मिश्रा, सौरवी भदौरिया, राजेश सकलेचा, मीना अग्रवाल, पी डी शुक्ला, एस एन शर्मा, डॉ. हरीश तिवारी, विरेन्द्र मालपानी, गोविन्द मोहता, सहित सर्वसमाज के नागरिको ने हस्ताक्षर किये।

विदिशा में सजी राष्ट्रीय हस्तशिल्प प्रदर्शनीरू देशभर की कलात्मक धरोहर एक ही छत के नीचे

विदिशा / दैनिक मालवा हेराल्ड। विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के प्रायोजन एवं मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल के आयोजन में विदिशा में भव्य हस्तशिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी 10 फरवरी से शुरू होकर 19 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से रात्रि 10 बजे तक रवीन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन में आयोजित की जा रही है।

विदिशा विधायक श्री मुकेश टंडन तथा कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में प्रदर्शनी का औपचारिक उद्घाटन 12 फरवरी को सम्पन्न हुआ इस अवसर पर हस्तशिल्प सहायक निदेशक तथा विकास आयुक्त हस्तशिल्प सेवा केन्द्र भोपाल के श्री नरसिंह सैनी, मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल के प्राचार्य श्री जी.पी. माझी एवं सोशल मोबिलाइजेशन एक्सपर्ट श्री संतोष येडे भी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी की खास विशेषता यह है कि संपूर्ण भारत से आए हस्तशिल्पियों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं बिक्री स्वयं शिल्पकारों द्वारा की जा रही है, जिससे खरीदारों को सीधे कारीगरों से संवाद और प्रामाणिक उत्पाद प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

प्रदर्शनी में देश के विभिन्न राज्यों की प्रसिद्ध कला एवं शिल्पकृतियाँ आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इनमें भदोही के विश्वप्रसिद्ध कारपेट, भागलपुर की सिल्क साड़ियाँ एवं सूट, उज्जैन की बटिक प्रिंट, दिल्ली की ज्वेलरी, भोपाल की जरी-जरदोजी एवं जूट उत्पाद, ग्वालियर एवं जबलपुर का पैचवर्क एवं स्टोन क्राफ्ट, हैदराबाद की कलमकारी, कोटा का हैंड ब्लॉक प्रिंट, चंदेरी की साड़ियाँ, महोबा का आर्ट मेटल, जयपुर का लेदर वर्क, पश्चिम बंगाल की जामदानी सिल्क साड़ियाँ, पंजाब की फुलकारी तथा बुधनी के लकड़ी के खिलौने सहित अनेक आकर्षक हस्तशिल्प उत्पाद एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी न केवल स्थानीय नागरिकों के लिए खरीदारी का अवसर प्रदान कर रही है, बल्कि यह देश की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और कारीगरों की सृजनात्मक प्रतिभा का जीवंत संगम भी है। आयोजकों ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे परिवार सहित प्रदर्शनी में पधारें, स्वदेशी शिल्प को प्रोत्साहित करें तथा शिल्पकारों का उत्साहवर्धन करें।

गोयल परिवार ने किया आयोजन, भजन संध्या में श्यामप्रेमियों पर चढ़ा श्याम भक्ति का रंग

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। होली पर्व के करीब आते ही श्याम प्रेमियो पर श्याम भक्ति का रंग चढ़ने लगा है। बुधवार को नगर के श्यामप्रेमी अमित गोयल,सोरभ गोयल एवं गोयल परिवार द्वारा एक शाम खाटू वाले के नाम श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन कंगन बाजार स्थित निवास पर आयोजित की गई। इस दौरान बाबा का आकर्षक श्रृंगार कर छप्पन भोग अर्पित कर अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित की गई। रात्रि 8 बजे से प्रारंभ हुई भजन संध्या में भजन गायक दीपक ठाकुर जतीन्द्र विश्वकर्मा, शानू विश्वकर्मा ने बाबा के भजनो से ऐसा समा बांधा की आयोजन स्थल पर उपस्थित धर्मप्रेमीजन श्याम नाम की भक्ति मे सरोवार हो गए। महाआरती के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया।

श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट ने किया सम्मान- श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट परिवार अकोदिया की ओर से प्रदेश अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, महिला मंडल जिलाध्यक्ष बिंदु सोनी,नगर अध्यक्ष मीनाक्षी चौरसिया, हनी गुप्ता, नीलम चौरसिया, शीला सोनी ने श्याम प्रेमी अमित गोयल, मीना गोयल एवं गोयल परिवारजनों का श्री खाटूश्याम जी का दुपट्टा पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया गया।

माना आभार - भजन संध्या मे अपनी उपस्थिति देकर आयोजन को सफल बनाने पर गोयल परिवार ने सभी धर्मप्रेमीयों का आभार व्यक्त किया।

विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य तथा शारीरिक और मानसिक दक्षता संवर्धन लिए है शिविर

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग से प्राप्त निर्देशों के पालन में कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में आयुष विभाग एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग जिला गुना द्वारा दिनांक 12 एवं 13 फरवरी 2026 को आनंद धाम वृद्ध आश्रम गुना पर समग्र कल्याण शिविर का आयोजन किया गयाद्य

शिविर में आयुष विभाग के चिकित्सकों द्वारा आश्रम में निवासरत तथा आसपास के ग्रामीण वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क आयुष औषधि प्रदान की गईद्य इसके अलावा वृद्धावस्था जन्य विकारों मे लाभदायक योगासन के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों की काइनेटिक एंड मेंटल स्किल डेवलपमेंट हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां भी आयोजित की गई । जिला आयुष अधिकारी डॉ. के एस. गनावे के अनुसार भारत सरकार एवं मध्य प्रदेशशासन द्वारा वरिष्ठ जनों के लिए स्टेट एक्शन प्लान फॉर सीनियर सिटीजन के तहत "holistic well being camps" के आयोजन जिले भर में किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। इसके तहत जिले के अंतर्गत विभिन्न वृद्ध आश्रमों पर स्वास्थ्य शिविर एवं वृद्धावस्था में किया जा सकने योग्य योग प्राणायाम तथा वृद्ध जनों के लिए उनके शारीरिक एवं मानसिक दक्षता संवर्धन हेतु विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इन शिविरों में आयोजित की जाएंगी है। जिनमें आयुष विभाग के चिकित्सक एवं प्रशिक्षित योग प्रशिक्षकों द्वारा वरिष्ठजनों को संबंधित गतिविधियां कराई जाएगी। इसी के तहत ये स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया है। साथ ही दिनांक 19 फ़रवरी, 20 फ़रवरी, 26 फरवरी तथा 27 फरवरी को भी जिले के वृद्धाश्रम में ये शिविर लगाए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों से आग्रह है कि वे इन शिविरों में आकर आयुष चिकित्सा का लाभ उठाएं।

शहर में प्रातः 06:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक माल वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

गुना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा पुलिस अधीक्षक प्रतिवेदन के आधार पर शहर में दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु, मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 115 एवं 116 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये गये हैं।

जारी आदेशानुसार गुना शहर की सीमा में प्रतिबंधित अवधि में प्रतिदिन प्रातः 06ः00 बजे से रात्रि 11ः00 बजे तक लदान रहित 7.05 टन से अधिक वजन वाले भारी माल वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। उपरोक्त वर्णित माल वाहन मारुति शोरूम, भुल्लनपुरा, बूढ़े बालाजी एवं हनुमान चौराहा से शहर के भीतर प्रवेश नहीं करेंगे। अशोकनगर की ओर से आने-जाने वाले मालवाहन बिलोनिया बायपास नानाखेड़ी मंडी गेट हनुमान चौराहा - कैंट चौराहा मार्ग से ही आवागमन करेंगे तथा प्रतिबंधित समय में नानाखेड़ी मंडी को छोड़कर अन्य आंतरिक मार्गों में प्रवेश नहीं करेंगे। स्कूल बसें, विद्यालय/ महाविद्यालय की पुस्तकें/ कागज, पेट्रोल/ डीजल/ केरोसिन/ एल.पी.जी. गैस एवं दूध आपूर्ति करने वाले वाहन जो शहर के भीतर लोडिंग-अनलोडिंग के लिये आते हैं, उन्हें प्रतिबंध से छूट रहेगी। व्यावसायिक कार्य में लगे ट्रैक्टर-ट्रॉली का प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश प्रतिदिन प्रातः 11ः00 बजे से रात्रि 11ः00 बजे तक वर्जित रहेगा।किसी विशेष परिस्थिति में किसी भारी वाहन को शहर में प्रवेश की अनुमति अपर जिला दण्डाधिकारी अथवा उप पुलिस अधीक्षक (यातायात), गुना द्वारा दी जा सकेगी।

प्रतिबंधित घोषित किये गये क्षेत्र में मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 116 के अन्तर्गत नियमों का पालन किये जाने हेतु उक्त मार्गों के प्रवेश स्थान पर आवश्यक सूचना सहज गोचर स्थानों पर लगाये जायेगें। तथा उक्त आदेश का क्रियान्वयन किये जाने हेतु यातायात पुलिस की तैनाती करते हुए भारी वाहनों के प्रवेश को रोका जायेगा।उक्त आदेश लोकहित में पारित किया गया है। उक्त आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होकर आगामी दिनांक 14 मार्च 2026 तक प्रभावशील रहेगा।

आरोन में कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ, 30 प्रशिक्षणार्थी होंगे लाभान्वित

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम टेरा-कोटा ट्रेड के अंतर्गत 30 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण 13 फरवरी से 01-04-2026 तक कुल 45 दिवस तक संचालित होगा। प्रशिक्षण स्थल वटूलाल प्रजापति के बाड़ा, पुरानी मंडी, आरोंन निर्धारित किया गया है। इस प्रशिक्षण का प्रायोजनमध्यप्रदेश माटीकला बोर्ड, भोपाल द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन जिला पंचायत गुना (माटीकला बोर्ड) एवं क्रियान्वयन संस्थाएमपीकॉन् लिमिटेड, भोपाल के माध्यम से किया जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री धीरेन्द्र गुप्ता, तहसीलदार आरोन, श्री गौरव यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत आरोंन, श्री दिनेश सोनी, सीएमओ नगर परिषद आरोंन, श्री सतेन्द्र भार्गव, विकासखंड पंचायत अधिकारी जनपद पंचायत आरोंन, श्री एम.एम. देशपांडे, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जिला गुना एवं श्री अनिल परिहार, ग्रामोद्योग की उपस्थिति में किया गया। अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा गया कि वे पूरे 45 दिवस का प्रशिक्षण पूर्ण मनोयोग से प्राप्त कर अपने कार्य में दक्षता हासिल करें तथा बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार कर उनका विपणन करें, जिससे उनकी आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति सुदृढ़ हो सके।

आयुष्मान भारत उमंग कार्यक्रमः आरोग्य दूत बनेंगे शिक्षक, बच्चों को मिलेगी जीवन कौशल की शिक्षा

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषिश्वर के मार्गदर्शन में, दक्ष फाउंडेशन के सहयोग से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बजरंगगढ़ में आयुष्मान भारत के अंतर्गत उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय विद्यालयों में कक्षा 6 से 8 तक अध्यापन कार्य करने वाले एक महिला एवं एक पुरुष शिक्षक को हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर (आरोग्य दूत) के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षकों के चयन के दौरान यह सुनिश्चित किया गया है कि वे संचार कौशल में दक्ष हों, स्वास्थ्य शिक्षा के प्रति रुचि रखते हों तथा तंबाकू अथवा किसी भी प्रकार के नशे का सेवन न करते हों।

प्रशिक्षित हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर (आरोग्य दूत) द्वारा विद्यालय स्तर पर छात्र-छात्राओं को मित्रवत वातावरण में स्वास्थ्य एवं जीवन कौशल से संबंधित शिक्षा प्रदान की जाएगी, जिससे विद्यार्थी बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएँ साझा कर सकें तथा सही जानकारी के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने हेतु प्रेरित हो सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 10 बैचों के माध्यम से कुल 400 शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए जिले के 10 शिक्षकों को राज्य स्तर पर मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिनके माध्यम से यह आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है।

जिले में शांतिपूर्ण माहौल में शुरू हुई बोर्ड परीक्षाएं

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं और 12वीं की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो गईं। कक्षा 12वीं के अर्थशास्त्र, भौतिक शास्त्र, एनिमल हसबेंडरी, विज्ञान के तत्व और भारतीय कला विषय की परीक्षा हुई, जबकि कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने उर्दू विषय का प्रश्न पत्र हल किया।

जिले में कुल 52 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। कुल 10,526 विद्यार्थी दर्ज थे, जिनमें से 10,252 विद्यार्थी उपस्थित रहे। तथा 201 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। साथ ही किसी भी प्रकार का नकल प्रकरण सामने नहीं आया।

प्रशासनिक मुस्तैदी और सुरक्षा व्यवस्था- कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक दुबे एवं जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश गोयल के मार्गदर्शन में पिछले दो महीनों से की जा रही तैयारियों का असर परीक्षा केंद्रों पर दिखाई दिया।जिले में आज 52 केंद्रों में से 9 संवेदनशील केंद्रों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई थी। इन केंद्रों पर श्रेणी-1 और श्रेणी-2 के अधिकारियों को आब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया गया था, जिनकी सीधी निगरानी में परीक्षा संपन्न हुई।

गोपनीयता का रखा गया विशेष ध्यान- परीक्षाओं की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक थाने पर कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। प्रश्न पत्र थानों से निकालने और केंद्राध्यक्षों को सौंपने की पूरी प्रक्रिया इन्हीं अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुई।जिले में नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर द्वारा तीन विशेष उड़नदस्ता दलों का गठन किया गया है, जो निरंतर परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर रहे हैं।जिला प्रशासन एवं विभाग की सजगता के चलते जिले में आज की परीक्षाएं पूरी तरह शांतिपूर्ण रहीं और कहीं से भी किसी अप्रिय घटना या नकल की शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

संकल्प से समाधान अभियान में 106 विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं के अंतर्गत 66,907 आवेदन प्राप्त, 41,950 का निराकरण

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में संचालित ÷संकल्प से समाधान÷ अभियान अंतर्गत ब्लॉक एवं नगर निकाय स्तर पर 106 विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं के अंतर्गत कुल 66,907 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से कुल 41,950 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। वर्तमान में 24,957 आवेदन लंबित हैं, जिनके शीघ्र निराकरण हेतु सतत कार्यवाही जारी है।

कलेक्टर के निर्देशानुसार अभियान के अंतर्गत मैदानी अमले द्वारा प्रतिदिन घर-घर जाकर आवेदनों का परीक्षण एवं निराकरण किया जा रहा है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समयबद्ध लाभ सुनिश्चित हो सके।

अभियान के तहत राजस्व विभाग में चालू खसरा/खतौनी की प्रतिलिपि हेतु 21,585 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 15,695 स्वीकृत तथा 5,890 लंबित हैं। चालू नक्शा प्रतिलिपि के 10,220 आवेदनों में 7,033 स्वीकृत एवं 3,187 लंबित हैं। सहकारिता विभाग अंतर्गत किसान क्रेडिट कार्ड नवीनीकरण के 6,055 आवेदनों में से 2,895 स्वीकृत तथा 3,160 लंबित हैं। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की आयुष्मान भारत योजना में 3,731 आवेदनों में से 814 स्वीकृत एवं 2,917 लंबित हैं।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में 2,898 में से 2,143 निराकृत तथा 755 लंबित हैं, जबकि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 891 में से 682 निराकृत एवं 209 लंबित हैं। योजना आर्थिक एवं सांख्यकी विभाग में जन्म के एक वर्ष पश्चात पंजीयन अनुमति हेतु 2,481 में से 2,423 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं। इसी विभाग में जन्म प्रमाण पत्र संबंधी 846 आवेदनों में से 351 निराकृत एवं 495 लंबित हैं।

श्रम विभाग में निर्माण श्रमिक पंजीयन (भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल) के 2,407 आवेदनों में से 1,757 निराकृत तथा 650 लंबित हैं। इसी क्रम में भवन संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीयन के 865 आवेदनों में से 357 निराकृत एवं 508 लंबित हैं। सामान्य प्रशासन विभाग में अनुसूचित जाति/जनजाति जाति प्रमाण पत्र हेतु 2,312 आवेदनों में से 1,261 निराकृत तथा 1,051 लंबित हैं। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में ग्राम पंचायत स्तर पर भवन निर्माण अनुज्ञा पत्र के 1,944 में से 983 निराकृत एवं 961 लंबित हैं।

नल-जल योजना अंतर्गत नवीन नल कनेक्शन हेतु 844 आवेदनों में से 762 निराकृत एवं 82 लंबित हैं। परिवहन विभाग में लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस के 1,301 आवेदनों में से 595 स्वीकृत तथा 706 लंबित हैं। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नो ड्यूज प्रमाण पत्र के 875 आवेदनों में से 513 स्वीकृत एवं 362 लंबित हैं।

कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि अभियान के उद्देश्यों की पूर्ति करते हुए आमजन को अधिकतम राहत प्रदान की जा सके।

141 वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आयुष विभाग के माध्यम से आज शाजापुर जिले में दो स्थानों पर वृद्धजन सेवा निकेतन बापु की कुटिया के पास लालघाटी शाजापुर एवं घर संसार वृद्धाश्रम शुजालपुर में वृद्धजनो के लिए समग्र कल्याण शिविर आयोजित किया गया।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. गिर्राज बाथम ने बताया कि समग्र कल्याण शिविर में शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक विषय पर विस्तृत रूप में जानकारी दी गई। वृद्धजन शिविरों में शाजापुर में 76 एवं शुजालपुर में 65 वृद्धजनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर बीपी शुगर की जांच की गई। साथ ही निःशुल्क आयुर्वेद औषधियां प्रदान की गई एवं चिकित्सकों द्वारा वृद्धावस्था में आवश्यक बाते जैसे आहर-विहार, ऋतुचर्या दिनचर्या तथा योगा के बारे में बताया गया।

उन्होंने बताया कि जिले में वरिष्ठजनों के लिए विभिन्न योजनाए एवं कार्यक्रमों का आयोजन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 19 एवं 20 फरवरी 2026 को आयुष विभाग के साथ नियमित योग तथा 26 एवं 27 फरवरी 2026 को गतिज मानसिक कौशल कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

इस अवसर पर श्री रघुवीर सिंह पंवार, डॉ. दिनेश गुर्जर, डॉ. प्रियंका टेवा, श्री बी.एस. हनोतिया, श्री आदित्य निगम, श्री रामबाबू सोलंकी, श्री रोड सिंह राठौर, श्री घनश्याम चौहान, श्री दिनेश पंवार, डॉ. श्याम सुन्दर परमार, डॉ. जान्हवी मिश्रा, श्री शिवनारायण नवीक, श्री श्याम सुन्दर मुकाती, श्रीमती रूचि भदोरिया, श्री रोहित जावरिया, श्री देवेन्द्र परमार, श्री अजय राठौर आदि उपस्थित थे।

निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार जीव जन्तु कल्याण पखवाड़ा के तहत आज उपसंचालक पशु चिकत्सा सेवाए डॉ. प्रशांत महाडिक के मार्गदर्शन में पॉलीक्लिनिक जिला पशु चिकित्सालय शाजापुर में निःशुल्क एंटी रेबीज टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान शिविर में कुल 48 श्वान (डॉग) एवं बिल्ली का एण्टीरेबीज टीकाकरण किया गया।

शिविर में सीनियर वेटरनरी सर्जन डॉ. मुकेश कुमार सिंघल, विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमएल जारोलिया, वेटेरिनरी असिस्टेंट सर्जन डॉ. सचिन सांखला व डॉ. प्रसिल दिघे, वेटरनरी ऑफिसर एमवीयू डॉ. रोमेश राजोरिया, डॉ पूजा सेंगर, एवीएओ श्री महेश आर्य, श्री बाबूलाल, श्री छगनलाल सौराष्टीय, श्री प्रदीप पटेल, गौसेवक श्री नितेश पाटीदार एवं समस्त स्टॉफ द्वारा सहयोग किया गया।

उत्तरप्रदेश से गिरफ्त में आई शादी के 9 दिन बाद भागी लुटेरी दुल्हन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शादी के 9 दिन बाद भागी लुटेरी दुल्हन सास के साथ ढाई माह बाद उत्तरप्रदेश के आगरा से पुलिस की गिरफ्त में आ गई। गिरोह के 3 सदस्य सिहोर जेल में बंद मिले। जिसमें से 2 को प्रोटेक्शन वारंट जारी कराकर पूछताछ के लिये लाया गया।

महिदपुर थाना एसआई अन्नपूर्णा कठेरिया ने बताया कि 11 दिसंबर 2025 को सौगानी कालोनी में रहने वाले हर्षद पिता सुनील मेहता 32 साल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि दिव्या गंधर्व के माध्यम से उसने अपनी शादी के लिये रिश्ता तय किया था। दिव्या ने अपने साथी कृष्णकुमार उर्फ मुकेश, राधा उर्फ राजूबाई, मीना शर्मा के साथ मिलकर प्रियंका शर्मा नाम की लड़की दिखाई। प्रियंका के साथ 22 नवम्बर 2025 को चिंतामण मंदिर में शादी की गई। उस दौरान प्रियंका ने अपनी मां मीना शर्मा के इलाज और परिवार की जरूरत बताते हुए 1.80 लाख रूपये मांगे। रूपये ऑनलाइन और नगद दिये गये थे। शादी के 9 दिन बाद ही पत्नी प्रियंका अपनी मां मीना शर्मा के बाद चली गई और वापस नहीं लौटी, संपर्क करने पर दोनों का कुछ पता नहीं चल पाया, शादी कराने वाले दिव्या गंधर्व और उसके साथियों का भी पता नहीं चल रहा है। शिकायत पर धारा 318 (4), 61 (2), 3 (5) बीएनएस का प्रकरण दर्ज किया गया। मामला शादी के नाम पर संगठित गरोह और लुटेरी दुल्हन का होने पर जांच शुरू की गई। जानकारी सामने आई कि लुटेरी दुल्हन प्रियंका शर्मा और मीना शर्मा उत्तरप्रदेश के आगरा में है। दोनों की गिरफ्तारी के लिये एक टीम रवाना की गई। जहां से दोनों को हिरासत में लिया गया और महिदपुर लाया गया। दोनों को न्यायालय में पेश किया, जहां से रिमांड मिलने पर उनके गिरोह की जानकारी जुटाई गई। गिरोह में शामिल दिव्या गंधर्व, मुकेश उर्फ कृष्णकुमार और राधाबाई सिहोर जेल में बंद होना सामने आये। गिरोह ने सिहोर के भैरूंडा में शादी के नाम पर धोखाधड़ी की है। तीनों का प्रोटेक्शन वारंट जारी कराया गया, जहां से दिव्या और मुकेश को पूछताछ के लिया गया। राधाबाई मीणा का प्रोटेक्शन वारंट 18 फरवरी का जारी है। गिरफ्त में आये चारों से पूछताछ के बाद गुरूवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है।

मंडलेश्वर में पक्षकारों के लिए विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

खरगोन/ अंजु त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के तत्वाधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडलेश्वर द्वारा जिला न्यायालय मंडलेश्वर के सभाकक्ष में पक्षकारों के लिए आयोजित विधिक साक्षरता शिविर में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री अखिलेश जोशी ने पक्षकारों से कहा कि वाहन मालिक अपने वाहनों का बीमा अवश्य कराएं। साथ ही उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट की जानकारी देते हुए कहा कि बीमित वाहन से कोई दुर्घटना हो जाती है और उसमें किसी की जान-माल का नुकसान होता है तो उस नुकसान की क्लेम राशि बीमा कंपनी द्वारा दी जा सकती है। ऐसा तब होता है जब अधिकृत वाहन का बीमा होना चाहिए।

न्यायाधीश श्री जोशी ने कहा कि रजिस्टर्ड बीमित वाहन को उसी व्यक्ति को चलाने को दें जिसके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस हो। नशे में गाड़ी नहीं चलाना चाहिए, जिससे दुर्घटना न हो। गाड़ी, ट्रेक्टर एवं ट्राली में रेडियम पट्टी लगाना जरूरी होता है, साथ ही यातायात के नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाना चाहिए। कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्री पंकज सिंह माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कुटुंब न्यायालय का काम एक परिवार को जोड़ने का है। परिवारिक विवाद से होने वाले मामलों को सुलझाने के लिए कुटुंब न्यायालय (परिवार न्यायालय) की स्थापना की गई है। जिसका उद्देश्य पति-पत्नी के मामलों को शीघ्रता से निराकरण किया जाता है, जिसमें दोनों पक्षों को समझाइश दी जाती है तथा दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता के माध्यम से भी प्रकरण का निराकरण किया जाता है।

सचिव एवं वरिष्ठ खंड न्यायाधीश सुश्री प्रीति जैन ने शासन की हिट एण्ड रन योजना, 2022 के बारे में कहा कि यदि किसी व्यक्ति की किसी वाहन से दुर्घटना होने पर गंभीर चोट या मृत्यु हो जाती है तो वाहन चालक या गाड़ी का पता नहीं लगता है, तो उसे अज्ञात मानकर हिट एण्ड रन योजना के अंतर्गत पीड़ित के विधिक प्रतिनिधि को शासन द्वारा नियमानुसार निर्धारित प्रतिकर राशि को मुआवजा के रूप में प्रदान करती है। जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री चंद्रेश मंडलोई ने विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्य प्रणाली के बारे में बताया तथा आगामी नेशनल लोक अदालत दिनांक 14 मार्च 2026 एवं मध्यस्थता योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डिप्टी चीफ रूपेश शर्मा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। आभार जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री मंडलोई ने व्यक्त किया। संचालन एल ए डी सी एस असिस्टेंट सुश्री निशा कौशल ने किया। इस अवसर पर पक्षकारगण उपस्थित रहे।

टंकी चौक से दानी गेट तक सड़क चौड़ीकरण तेज, 86 को नोटिस,100 और होंगे जारी

सवारी मार्ग होने से जून तक काम पूरा करने का लक्ष्य, 7 दिन में निर्माण नहीं हटाया तो निगम करेगा कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़क चौड़ीकरण अभियान अब तेज रफ्तार पकड़ रहा है। ढाबा रोड, अंडा गली से सत्यनारायण मंदिर तक नोटिस वितरण के बाद अब नगर निगम ने टंकी चौक से दानी गेट और छोटी रपट चौराहे तक दूसरे चरण की तैयारी शुरू कर दी है।

गुरुवार को निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर नपती की और टंकी चौक से सत्यनारायण मंदिर तक 86 संपत्ति धारकों को हाथों-हाथ नोटिस थमा दिए। अधिकारियों का कहना है कि करीब 100 और नोटिस अगले चरण में जारी किए जाएंगे। शुक्रवार को सत्यनारायण मंदिर से आगे की नपती कर नोटिस बांटने की कार्रवाई जारी रहेगी।

7 दिन की मोहलत, फिर तोड़फोड़- नोटिस में साफ कहा गया है कि चिन्हित हिस्से का निर्माण 7 दिन के भीतर स्वयं हटा लिया जाए। तय समय सीमा के बाद नगर निगम अमले द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

15 मीटर चौड़ा होगा मार्ग- यह पूरा मार्ग 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। निगम ने पहले चरण में विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा तक काम शुरू किया था, लेकिन वहां कार्य की धीमी रफ्तार पर सवाल उठे। अब दूसरे चरण में टंकी चौक से दानी गेट, छोटी रपट चौराहे तक तेजी से काम शुरू किया जा रहा है।

श्रावण से पहले काम पूरा करने की चुनौती- यह मार्ग महाकाल की सवारी का प्रमुख रास्ता है। श्रावण मास में सवारी रामघाट से सत्यनारायण मंदिर, ढाबा रोड, टंकी चौक, छत्री चौक होते हुए महाकाल मंदिर पहुंचती है। ऐसे में प्रशासन का लक्ष्य है कि जून तक चौड़ीकरण पूरा कर लिया जाए, ताकि सवारी मार्ग प्रभावित न हो। अधिकारियों का कहना है कि इस बार काम में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। पूर्व में कोयला फाटक, निजातपुरा और विक्रमादित्य क्लॉथ मार्केट से तेलीवाड़ा मार्ग पर कार्य समय पर पूरा नहीं होने पर मुख्यमंत्री की नाराजगी भी सामने आ चुकी है। इसी कारण निगम ने तय किया है कि सवारी मार्ग पर चौड़ीकरण का काम हर हाल में श्रावण मास से पहले पूरा किया जाएगा।

मोबाइल बना दांपत्य जीवन में दरार की बड़ी वजह

महिला थाने में रोज 4-5 शिकायतें, लॉक और डिलीट कॉल हिस्ट्री से बढ़ रहे पारिवारिक विवाद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी रिश्तों को जोड़ने वाला मोबाइल अब उन्हें तोड़ने की वजह बनता जा रहा है। उज्जैन में पति-पत्नी के बीच बढ़ते विवादों की जड़ में अब सबसे बड़ा संदिग्ध किरदार मोबाइल फोन बनकर उभरा है। गुमनाम कॉल, देर रात तक चैटिंग, कॉल हिस्ट्री डिलीट करना और फोन पर पासवर्ड, इन सबने विश्वास की नींव को हिला दिया है। महिला थाने में ऐसी रोज शिकायत पहुंच रही हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार महिला थाने में प्रतिदिन चार से पांच शिकायतें सिर्फ मोबाइल को लेकर होने वाले विवाद की आ रही हैं। शक की चिंगारी इतनी भड़क रही है कि मामला घर की चारदीवारी से निकलकर सीधे थाने की चौखट तक पहुंच रहा है। दांपत्य जीवन की बुनियाद विश्वास पर टिकी होती है, लेकिन जब मोबाइल पर घंटों बातें हों और सवाल पूछने पर जवाब गोलमोल मिले, तो शक पनपना लाजिमी हो जाता है।

कई पत्नियों की शिकायत है कि पति मोबाइल पर लंबे समय तक बात करते हैं, लेकिन पूछने पर कहते हैं ऑफिस का काम है। फोन में लॉक लगा देते हैं, कॉल डिलीट कर देते हैं। वहीं, कई पतियों का आरोप है कि उनकी पत्नी देर रात तक चैटिंग करती हैं और मोबाइल पास नहीं आने देतीं। नतीजा बात-बात पर तकरार, तकरार से तनाव और तनाव से रिश्तों में दरार।

परामर्श केंद्र में समझाइश से सुलझते मामले- महिला थाने में शिकायत दर्ज होने के बाद आवेदन महिला परामर्श केंद्र भेजा जाता है। वहां दोनों पक्षों को बैठाकर समझाइश दी जाती है और अधिकतर मामलों को आपसी सहमति से सुलझाने की कोशिश की जाती है। अधिकारियों के अनुसार, ज्यादातर विवाद गलतफहमी और संवादहीनता से पैदा होते हैं।

आंकड़ों में मोबाइल विवाद

वर्ष	-कुल पारिवारिक शिकायतें
2023 -	206
2024 -	200+
2025-	225+

-महिला थाने में रोज 4-5 शिकायतें मोबाइल विवाद की

-दोनों पक्षों द्वारा एक-दूसरे पर शक की शिकायत

-अधिकतर मामलों में कारण– पासवर्ड, कॉल हिस्ट्री डिलीट, देर रात चैटिंग

इसलिए बढ़ रहे हैं ऐसे मामले

-डिजिटल गोपनीयता बनाम पारदर्शिता का टकराव

-सोशल मीडिया की बढ़ती लत

-संवाद की कमी

-छोटी बातों को तूल देना

-गुमनाम कॉल और फर्जी प्रोफाइल

बिना परमिट और ऑफ रूट बसों पर कसेगा शिकंजा, परिवहन विभाग चलाएगा विशेष जांच अभियान

899 खटारा बसें चिन्हित, परमिट व फिटनेस रिकॉर्ड का डेटा विश्लेषण जारी, सीएम के निर्देश के बाद सख्ती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में बिना परमिट और निर्धारित रूट से हटकर चलने वाली यात्री बसों पर अब सख्त कार्रवाई की तैयारी है। परिवहन विभाग जल्द ही उज्जैन में भी विशेष जांच अभियान शुरू करने जा रहा है। यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों में एक साथ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

उज्जैन सहित कई जिलों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि बसें बिना वैध परमिट या परमिट की शर्तों का उल्लंघन कर सड़कों पर दौड़ रही हैं। कई मामलों में परमिट की वैधता खत्म होने के बाद भी नवीनीकरण नहीं कराया गया। ऐसे वाहनों को अब सूचीबद्ध कर लिया गया है और उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी है।

डेटा खंगाल रहा परिवहन- परिवहन विभाग परमिट जारी होने से लेकर उसकी समाप्ति तिथि तक का पूरा रिकॉर्ड खंगाल रहा है। किस बस का परमिट खत्म हो चुका है, किसने नवीनीकरण नहीं कराया और कौन-सी बस निर्धारित रूट से हटकर संचालित हो रही है, इन सभी बिंदुओं पर डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है।

उड़नदस्ते भी रहेंगे सक्रिय- जांच अभियान में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के साथ संभागीय उड़नदस्ते की टीमें भी शामिल होंगी। संयुक्त कार्रवाई के तहत सड़कों पर अचानक चेकिंग कर दस्तावेज, फिटनेस और परमिट की जांच की जाएगी।

899 खटारा बसें चिन्हित- नवंबर 2025 में परिवहन सचिव मनीष सिंह द्वारा परिवहन आयुक्त को अवैध संचालन पर सख्ती के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद प्रदेशभर में 899 ऐसी बसें चिन्हित की गईं, जिनकी आयु 15 वर्ष पूरी हो चुकी है। हालांकि इन बसों के परमिट की वैधता शेष है, लेकिन आशंका है कि इनमें से कई वाहन तकनीकी रूप से खटारा होने के बावजूद सड़कों पर चल रहे हों।

पहले ढिलाई, अब सख्ती- यह भी माना जा रहा है कि सामान्य परिस्थितियों में बिना परमिट या ऑफ रूट बसों पर अपेक्षित सख्ती नहीं हो पाती थी। मुख्यमंत्री पहले ही ऐसे मामलों में प्रशासन को कड़े निर्देश दे चुके हैं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद अब विभाग ने ठोस कार्रवाई का मन बना लिया है।अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान केवल औपचारिकता नहीं होगा, बल्कि यात्री सुरक्षा और नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जाएगी।

उज्जैन स्टेशन से 10 माह में रेलवे की कमाई 41 करोड़ पार

वित्तीय वर्ष पूरा होने तक 46 करोड़ पार करने की उम्मीद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन का रेलवे स्टेशन इन दिनों यात्रियों की चहल-पहल से गुलजार है। चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के पहले दस महीनों में ही उज्जैन स्टेशन से रेलवे की कमाई 41 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गई है। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में लगभग 7 करोड़ रुपये अधिक है, जिससे स्पष्ट है कि यात्रियों की संख्या और राजस्व दोनों में लगातार वृद्धि हो रही है।

स्टेशन मास्टर संजय सक्सेना ने चर्चा में बताया कि वर्तमान में उज्जैन स्टेशन से रोजाना औसतन 16 हजार यात्री टिकट लेकर यात्रा कर रहे हैं। इससे प्रतिदिन करीब 13 लाख 50 हजार रुपये की आय रतलाम मंडल को हो रही है। यह आय आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफार्म टिकट से प्राप्त हो रही है।

10 माह में 41 करोड़ से ज्यादा की कमाई- आंकड़ों के अनुसार, एक अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक उज्जैन स्टेशन से टिकट बिक्री के माध्यम से 41 करोड़ 41 लाख 85 हजार 228 रुपये का राजस्व अर्जित किया गया। इसी अवधि में कुल 49 लाख 15 हजार 72 यात्रियों ने यहां से यात्रा की।

यह आंकड़े बताते हैं कि उज्जैन न केवल धार्मिक पर्यटन बल्कि व्यापारिक और अन्य आवागमन के लिहाज से भी महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है।

तीन वर्षों का तुलनात्मक आंकड़ा

वित्तीय वर्ष 2023-24: कुल राजस्व 42 करोड़ 9 लाख 16 हजार 605 रुपये

कुल यात्री संख्या 46 लाख 16 हजार 750

वित्तीय वर्ष 2024-25: कुल राजस्व 40 करोड़ 43 लाख 90 हजार रुपये

वित्तीय वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक)

41 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई

धार्मिक आयोजनों का भी असर- महाकाल दर्शन, त्योहारी सीजन और विशेष आयोजनों के दौरान यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी जाती है। यही कारण है कि उज्जैन स्टेशन से होने वाली आय में लगातार इजाफा हो रहा है। रेलवे प्रशासन का मानना है कि बेहतर यात्री सुविधाओं और ट्रेनों की संख्या में बढ़ोतरी से आने वाले समय में यह आंकड़ा और भी ऊंचा जा सकता है।

640 ग्राम गांजे के साथ पकड़ाया युवक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बाइक पर सवार युवक के पास मादक पदार्थ होने की खबर मिलने पर बुधवार-गुरूवार रात तराना थाना पुलिस ने घेराबंदी की और युवक को हिरासत में लिया। जिसके पास से 640 ग्राम गांजा बरामद हो गया। युवक से पूछताछ जारी है। तराना थाना एसआई रविन्द्र कटारे ने बताया कि बाइक क्रमांक एमपी 13 झेड एम 6578 पर सवार युवक के पास मादक पदार्थ होने और कालीसिंध नदी की पुलिया की ओर से आने की खबर मिलने पर रात 12.30 बजे घेराबंदी की गई। मढ़ी घाट छोटी कालीसिंध पुलिया के पास कानीपुरा रोड से युवक को पकड़ा गया। उसकी तलाशी लेने पर प्लास्टिक की थैली में रखा 640 ग्राम गांजा बरामद हो गया। बाइक जप्त कर युवक से पूछताछ की गई तो उसका नाम प्रहलाद पिता लालदास निवासी दानीगेट उज्जैन सामने आया। थाने लाकर अवैध मादक जप्त होने पर एनडीपीएस एक्ट 8/20 में प्रकरण दर्ज किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में गांजा मंदसौर से लाना बता रहा है। आरोपित को शुक्रवार दोपहर कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

आज रात ढाई बजे खुलेंगे महाकालेश्वर मंदिर के पट

महाशिवरात्रि दर्शन के लिए शनिवार शाम 6 बजे से लागू होगा सुरक्षा- ट्रैफिक प्लान, 2 हजार पुलिसकर्मी तैनात

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाशिवरात्रि पर्व रविवार को मानेगा और आज रात 2-30 बजे मंदिर के पट खुल जाएंगे।इसे लेकर महाकाल नगरी पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गई है। महापर्व पर देशभर से लगभग 10 लाख श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा, ट्रैफिक और क्राउड मैनेजमेंट का व्यापक एक्शन प्लान तैयार किया है, जो शनिवार 14 फरवरी की शाम 6 बजे से लागू किया जाएगा।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि 16 फरवरी को मंदिर के पट बंद होने तक पूरे शहर में विशेष व्यवस्था रहेगी। महाकाल मंदिर, प्रमुख मार्गों और स्नान घाटों पर चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जाएगी। इसके लिए महाकाल क्षेत्र में कड़ा सुरक्षा घेरा रहेगा। कुल 2 हजार से अधिक पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे और 250 पुलिसकर्मी वीआईपी ड्यूटी में तैनात रहेंगे। इसके अलावा 150 महिला पुलिसकर्मी महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए तथा 200 से ज्यादा सीसीटीवी, 5 ड्रोन कैमरे और एआई से निगरानी रखी जाएगी। यह व्यवस्था सोमवार को दोपहर में होने वाली भगवान महाकाल की भस्म आरती से लेकर मंदिर के पट बंद होने तक लगातार 44 घंटे लागू रहेगी।

अश्वरोही दल भी लगाया जाएगा- पुलिस का फोकस भीड़ नियंत्रण, सुगम दर्शन और किसी भी आपात स्थिति से त्वरित निपटने पर रहेगा।

शिप्रा घाटों पर होमगार्ड, स्नान की व्यवस्था- कल रविवार को महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा में स्नान करेंगे । इसे देखते हुए सभी प्रमुख घाटों पर होमगार्ड जवानों की तैनाती की गई है, ताकि स्नान सुरक्षित तरीके से हो सके और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद मिले।

बाहर से आने वालों के लिए साइन बोर्ड- पिछले अनुभवों से सीख लेते हुए इस बार शहर के बाहरी और अंदरूनी हिस्सों में पार्किंग व रूट की जानकारी वाले साइन बोर्ड लगाए जा रहे हैं, जिससे श्रद्धालु आसानी से निर्धारित पार्किंग तक पहुंच सकें।

ट्रैफिक प्लान, हर दिशा से आने वालों के लिए तय रूट

बडनगर से आने वाले वाहन - मोहनपुरा ब्रिज, मुरलीपुरा, मुस्तीपुरा कृषि उपार्जन केंद्र (P-10)

नागदा की ओर से - साडू माता की बावड़ी से रातड़िया रोड, राठौर तेली समाज मैदान (P-9)

आगर से - मकोड़िया आम चौराहा से जूना सोमवारिया, कार्तिक मेला ग्राउंड (P-8)

मक्सी/देवास/भोपाल/इंदौर से - पांड्याखेड़ी से मन्नत गार्डन/इम्पीरियल गार्डन (P-3), यहां से बसों द्वारा कर्कराज पार्किंग

इन रास्तों पर पूरी तरह प्रतिबंध

हरिफाटक टी से महाकाल घाटी, जंतर-मंतर से जयसिंहपुरा,

शंकराचार्य चौराहा से नृसिंह घाट व दानीगेट, दौलतगंज से लोहे का पुल, कंठाल से छत्रीचौक,

दानीगेट से गणगौर दरवाजा (14 फरवरी शाम 4 बजे से लागू)।

पार्किंग गाइड, कहां रखें वाहन

चौपहिया वाहन- प्रशांतिधाम - इंदौर रोड, इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान - मक्सी/देवास,कार्तिक मेला ग्राउंड - बडनगर/मक्सी,कृषि उपार्जन केंद्र - आगर/नागदा।

दोपहिया वाहन-मन्नत गार्डन, इम्पीरियल गार्डन, कर्कराज पार्किंग (लालपुल होकर)।

वीआईपी पार्किंग

हरिफाटक ब्रिज के नीचे

पार्किंग से बाहर निकलने का रूट

कर्कराज पार्किंग से लालपुल, चिंतामण ब्रिज, होते हुए हरिफाटक क्षेत्र, वाकणकर ब्रिज, सिंहस्थ बायपास।

मंदिर प्रशासन भी अलर्ट

महाशिवरात्रि को लेकर महाकाल मंदिर प्रशासन ने भी मोर्चा संभाल लिया है। अपर कलेक्टर प्रथम कौशिक ने मंदिर परिसर का निरीक्षण कर दर्शन मार्ग, बैरिकेडिंग, कतार व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा दल और स्वच्छता के निर्देश दिए।

करीब 450 सीसीटीवी कैमरों से निगरानी होगी और किसी भी परेशानी पर श्रद्धालु कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकेंगे।

सड़क दुर्घटना का शिकार हुए 2 युवक, एक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां से उज्जैन रैफर किया गया लेकिन एक की मौत हो गई। दूसरे का उपचार चल रहा है। तराना के ग्राम जवासिया में बीती रात बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हालत में सड़क पर पड़े थे। उन्हें अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। रास्ते से गुजर रहे समाजसेवी दिनेश शर्मा ने उन्हें देखा तो अपने वाहन से तत्काल शासकीय अस्पताल पहुंचाया। दोनों की हालत काफी गंभीर थी। डॉक्टरों ने उज्जैन रैफर कर दिया। लेकिन रास्ते में एक की मौत हो गई। घायल युवक का नाम विष्णु पिता भेरूलाल मालवीय 22 साल निवासी लसुड़िया बेचर सामने आया। मृतक पप्पू पिता अमरसिंह कीर 30 साल था। दुर्घटना की जानकारी लगते ही परिजन उज्जैन पहुंच गए थे। शुक्रवार सुबह पप्पू के पोस्टमार्टम के दौरान परिजनों ने बताया कि दोनों पिंगलेश्वर स्थित ब्लॉक फेक्ट्री में काम करते थे। देर शाम काम खत्म होने पर दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। मामले में पुलिस ने दुर्घटना के साथ मर्ग कायम करते हुए अज्ञात वाहन की तलाश शुरू की है जो कार होना सामने आई है।

ड्राइवर और इलेक्ट्रीशियन को बच्चा चोर समझ कर पीटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। होटल में ड्राइवरी और इलेक्ट्रिशियन का काम करने वाले मजदूर लेने के लिए गए थे। बाइक सवारो से टक्कर होने पर विवाद हो गया। बाइक पर सवार युवकों ने बच्चा चोर का आरोप लगा दिया गांव वालों ने दोनों को बुरी तरह पीटा। घायल ड्राइवर और इलेक्ट्रीशियन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इंदौर रोड स्थित होटल मेघदूत में लाल सिंह पिता मानसिंह ड्राइवरी का काम करता है वही शीष पिता अनिल नामदेव इलेक्ट्रीशियन है। होटल में मजदूर की जरूरत होने पर शुक्रवार सुबह दोनों कार से तपोभूमि के आगे मजदूर लेने गए थे। इसी दौरान मोड पर बाइक सवार दो युवकों से टक्कर हो गई। विवाद होने पर बाइक सवार युवकों ने बच्चा चोर होने का शोर मचाया इस दौरान आसपास के ग्रामीण एकत्रित हो गए। लाल सिंह और शीष को पकड़ लिया गया। दोनों के साथ बुरी तरह से मारपीट की गई, दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए मामले की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जहां दोनों के होटल में ड्राइवर और इलेक्ट्रीशियन होने की जानकारी सामने आई। फिलहाल दोनों का उपचार जारी है गलतफहमी में हुई मारपीट की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। दोनों को मारने वालों की पहचान कर प्रकरण दर्ज किया जा सकता है।

खेलने गया बालक खेत में मृत पड़ा मिला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर से खेलने का बोलकर निकला बालक शाम को खेत में मृत पड़ा मिला। सूचना - मिलने पर पुलिस पहुंची बालक को अस्पताल लाया गया। शुक्रवार सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है, खेत मालिक से पूछताछ जारी है। ग्राम पिपलिया बढ़ा में रहने वाले इरफान शाह का 11 वर्षीय पुत्र फरकान कक्षा छठवीं में अध्ययन करता था। गुरुवार दोपहर को घर से खेलने का बोलकर निकला। शाम तक नहीं लौटा तो परिजन तलाश में निकले और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बच्चे का फोटो और स्कूली दस्तावेज परिजनों से मंगवाये, इसी बीच खबर आई की गांव में रहने वाले बाबू परमार के खेत में एक बालक की लाश पड़ी है। पुलिस तत्काल खेत पहुंची, बालक फरकान होना सामने आया। परिजन लाश देखकर बिलख पड़े। पुलिस के अनुसार बालक की मौत करंट लगने से हुई थी, शव आस्पताल पहुंचाया गया और जांच शुरू की गई। इस दौरान सामने आया कि खेत मालिक बाबू ने लहसुन की फसल बोई है मवेशी खेत में ना घुसे इसको लेकर उसने बिजली के खुले तार खेत में बिछा रखे थे, खेलने के दौरान बालक के खेत में जाने पर करंट लगा और उसकी मौत हुई है। पुलिस ने खेत मालिक को पूछताछ के लिए थाने पर बैठा लिया है। मृतक बालक का पोस्टमार्टम कराया गया इस बात की जानकारी जुटा जा रही है कि बालक अकेला खेत में गया था या फिर उसके साथी भी मौजूद थे।

जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्रवार को जिला पंचायत सभागृह में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट की अध्यक्षता में निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री कूमट ने ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले कार्यों में देरी होने पर संबंधित उपयंत्रियों के प्रति नाराजगी जताई।

जिला पंचायत सीईओ श्री श्रेयांस कूमट ने जिला पंचायत के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक ली । बैठक में महात्मा गांधी नरेगा योजना की समीक्षा की गई। जिसके अंतर्गत वार्षिक लेबर बजट पूर्ति, वर्तमान में नियोजित मजदूर नियोजन, अपूर्ण कार्य, गौशाला, एक बगिया मां के नाम, लंबित भुगतान संबंधी समीक्षा की गई। इसके उपरांत निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही 15 वें वित्त, आंगनवाडी भवन , पंचायत भवन , शौचालय निर्माण , विधायक निधि के कार्य, आदिम जाति विभाग, सर्व शिक्षा विभाग एवं सांख्यिकी विभाग के निर्माण कार्यो की भी समीक्षा की गई।

कंठाल से गणेश मंदिर तक 150 मीटर में चौड़ीकरण की तैयारी, 17 मकान मालिकों को थमाए नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सड़कों के चौड़ीकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है। कंठाल चौराहे से सती गेट की ओर जाने वाले मार्ग पर पहले चरण का काम जल्द शुरू होने जा रहा है। इसके तहत कंठाल से आगे गणेश मंदिर तक करीब डेढ़ सौ मीटर क्षेत्र में निर्माण हटाने की कार्रवाई की तैयारी कर ली गई है। नगर निगम की टीम ने गुरुवार को मौके पर पहुंचकर नपती की और चिन्हांकन के बाद संबंधित मकान मालिकों को नोटिस जारी किए। भवन अधिकारी वास्कले के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान दोनों ओर के 17 संपत्ति धारकों को हाथों-हाथ नोटिस थमाए गए। 7 दिन की मोहलत- नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि चिन्हित हिस्से में किया गया निर्माण सात दिन के भीतर स्वयं हटा लिया जाए। तय समय में कार्रवाई नहीं करने पर नगर निगम द्वारा अतिक्रमण हटाया जाएगा और खर्च संबंधित पक्ष से वसूला जा सकता है।

15 मीटर चौड़ी होगी सड़क- इस मार्ग को 15 मीटर चौड़ा किया जाना है। वर्तमान स्थिति में दोनों ओर लगभग 10-10 फीट तक सड़क बढ़ाई जाएगी। इसी आधार पर नपती कर निर्माण हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

चौराहे की अलग होगी डिजाइन- अधिकारियों के अनुसार फिलहाल गणेश मंदिर तक के हिस्से में कार्रवाई की गई है। कंठाल चौराहे की अलग से नपती और ड्राइंग डिजाइन तैयार की गई है। चौराहे का विकास विशेष डिजाइन के तहत किया जाएगा ताकि यातायात व्यवस्था सुगम हो सके। नगर निगम का कहना है कि चरणबद्ध तरीके से आगे भी नोटिस जारी किए जाएंगे। सड़क चौड़ी होने से इस मार्ग पर लगने वाले जाम से राहत मिलने की उम्मीद है।